राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 05 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-214 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### पाकिस्तानी सेना पर दो बड़े हमले, 25 जवानों के मारे जाने का दावा

**इस्लामाबाद।**

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए दो अलग-अलग हमलों की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। इन हमलों में कुल 25 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों के मारे जाने और सेना के तीन वाहनों के नष्ट होने की बात कही गई है। संगठन ने इन हमलों को पाकिस्तानी सेना के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई बताया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई है। पहले हमले की जानकारी देते हुए बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि उनके लड़ाकों ने जियारत क्रॉस के पास एक सैन्य काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में सैन्य वाहनों को प्रत्यक्ष रूप से निशाना बनाया गया, जिससे दो वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गए, जिनमें एक सैन्य ट्रक भी शामिल था। शुरुआत में, बीएलए ने इस हमले में 18 सैन्यकर्मियों के मारे जाने का दावा किया था, लेकिन बाद में उसने मृतकों की संख्या बढ़ाकर 25 कर दी। संगठन ने इस हमले से जुड़ा एक मिनट 11 सेकंड का वीडियो ट्रेलर भी जारी किया है। जारी किए गए फुटेज में कथित तौर पर जलते हुए पाकिस्तानी सैन्य वाहनों के पास हथियारबंद लड़ाके दिखाई दे रहे हैं, और मौके पर शव तथा हथियार भी होने का दावा किया गया है। बीएलए का कहना है कि वह बाद में इस हमले का पूरा वीडियो फुटेज जारी करेगा, जो उनकी कार्रवाई का प्रमाण होगा। दूसरे हमले के बारे में बीएलए के बयान के अनुसार, यह सुराब के हाजीका इलाके में किया गया। इस हमले को संगठन की स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड ने अंजाम दिया, जिसमें विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को दूर से विस्फोट कर दिया गया। बीएलए का दावा है कि इस हमले में एक सैन्य वाहन नष्ट हो गया और सात सैन्यकर्मी मारे गए। इन दोनों हमलों में कुल 25 सैन्यकर्मियों के मारे जाने का दावा बीएलए की ओर से किया गया है, जो अगर सही साबित होता है तो पाकिस्तानी सेना के लिए एक बड़ा झटका होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार को दावा किया था कि उसने बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों और विद्रोहियों के बीच हुई दो अलग-अलग झड़पों में कम से कम 21 आतंकवादियों को मार गिराया था। सेना के एक बयान में कहा गया था कि ये घटनाएं सोमवार रात चगाई जिले के नोकचा और पिशिन जिले के जियारत चौराहे पर हुईं। इन झड़पों में सुरक्षा बल के पांच जवान और सीमा शुल्क विभाग का एक अधिकारी भी मारा गया था। सेना ने यह भी कहा था कि उसकी प्रभावी जवाबी कार्रवाई में फितना-अल- खवारिज से जुड़े 21 आतंकवादी मारे गए।

### चीनी के दाम में 20फीसद गिरावट, त्याहारों पर लोगों को मिल सकती है राहत

**एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा**

**नई दिल्ली।**

आने वाले त्योहारों पर चीनी के दाम और गिरने की उम्मीद बढ़ गई है। डिपॉर्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन ने एक्स पर पोस्ट करके चीनी के सस्ता होने की जानकारी दी है। पोस्ट के मुताबिक देश के खुदरा बाजार में चीनी के दाम करीब 5फीसदी तक कम हो गए हैं। इससे पहले चीनी की एक्स-मिल कीमतों में करीब 20फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। अगर चीनीमंडी के आंकड़ों की बात करें तो गुरुवार शाम को अपडेट किए गए रेट के मुताबिक चीनी के दाम 61 रुपए किलो तक आ गए हैं। दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, रांची में 3 सितंबर को चीनी 61 रुपए में बिकी। गुवाहटी, कानपुर और रायपुर में 62 रुपए किलो थी और चेन्नई में 63 रुपए। सरकार का कहना है कि एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर अब धीरे-धीरे खुदरा बाजार में दिखाई देने लगा है और आने वाले दिनों में चीनी के दाम और गिर सकते हैं। सरकार के मुताबिक एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए आने वाले दिनों में इसका प्रभाव और ज्यादा दिखाई दे सकता है यानी चीनी की कीमतों में अभी जो राहत मिली है, उसे शुरुआत माना जा सकता है।

### भारत में ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम का आगाज, वैश्विक न्यायपालिका का जमावड़ा

**नई दिल्ली।**

नई दिल्ली में ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम का जोरदार आगाज हुआ है। रूस के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रासनोव सहित विभिन्न देशों के न्यायिक प्रमुख महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित यह फोरम शुक्रवार से 6 सितंबर तक चलेगा।

इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य और सहयोगी देशों की न्यायपालिकाओं के बीच बातचीत को बढ़ावा देना और न्याय वितरण की प्रक्रियाओं तथा अनुभवों का आदान-प्रदान करना है। इस मौके पर, भारत के मुख्य न्यायाधीश कई न्यायिक प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने वाले है। इन बैठकों में रूस, चीन, मिस्र, इंडोनेशिया, यूएई, बेलारूस, कजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, ईरान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के न्यायिक नेता शामिल हो रहे है।

# इसरो की उपलब्धि को पीएम मोदी ने बताया भारत के लिए गर्व का पल

**- ईओएस-05 के निर्धारित कक्षा में पहुंचने पर पीएम मोदी ने दी बधाई**

**नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-05 के सफल प्रक्षेपण और उसे निर्धारित कक्षा में स्थापित करने पर संगठन को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को देश के लिए गर्व का पल बताया और इसे इसरो की एक और शानदार उपलब्धि करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बधाई संदेश में कहा कि जीएसएलवी-एफ17 द्वारा भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट ईओएस-05 को जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में ले जाने का सफल प्रक्षेपण, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की उत्कृष्टता, नवाचार और बढ़ती क्षमताओं का स्पष्ट प्रमाण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में उद्योग की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसरो और भारतीय उद्योग के बीच बढ़ती साझेदारी देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ताकत और विस्तार दे रही है, साथ ही पूरे अंतरिक्ष इकोसिस्टम में भारत की क्षमताओं को बढ़ा रही है। यह टिप्पणी देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की सरकार की नीति को भी रेखांकित करती है। इसरो ने भी अपनी ओर से सोशल मीडिया पर इस मिशन की सफलता की पुष्टि करते हुए लिखा, मिशन सफल! जीएसएलवी-एफ17 ने ईओएस-05 को तय कक्षा में स्थापित करके अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सफल लॉन्च के बाद इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने लोगों को संबोधित करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि जीएसएलवी-एफ17 यान ने एडवांस्ड अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-05 (जियो इमेजिंग सैटेलाइट) को सफलतापूर्वक और सटीक रूप से उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह श्रीहरिकोटा से 107वां लॉन्च था और जीएसएलवी का 19वां मिशन। डॉ. नारायणन ने जीएसएलवी की क्रमिक प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने याद दिलाया कि जीएसएलवी का पहला प्रक्षेपण 1,536 किलोग्राम का पेलोड लेकर गया था। तब से, इसरो ने इसके संरचनात्मक भार को अनुकूलित करके और प्रणोदन प्रणालियों में सुधार करके इस यान के प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाया है। आज, इसी लॉन्च व्हीकल का उपयोग करके 2,367 किलोग्राम वजन वाले सबसे भारी सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित किया गया है, जो जीएसएलवी की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए, डॉ. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि लॉन्च पैड और अन्य बुनियादी ढांचा भारत सरकार द्वारा स्थापित किया जाएगा, लेकिन इसे संचालित करने के लिए दो विकल्प हैं। एक तरीका यह है कि बहुत सारे स्थायी कर्मचारी रखे जाएं, और दूसरा विकल्प यह है कि इसे निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों को सौंप दिया जाए ताकि वे इसे संचालित कर सकें। यह बयान अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की

भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक संभावित रणनीतिक कदम को दर्शाता है, जिससे भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को और अधिक गति मिल सकती है।

# जजों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

**- 7 राज्यों में 62 साल तक सेवा का रास्ता साफ**

**स्वत- नहीं होगा विस्तार बल्कि 60 साल पर हाईकोर्ट करेगा योग्यता और प्रदर्शन का आकलन**

**नई दिल्ली।**

जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत के आदेश के बाद सात राज्यों में न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का रास्ता साफ हो गया है। छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इन राज्यों को अपने सेवा नियमों में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया है। हालांकि, 60 साल की उम्र पूरी करने वाले प्रत्येक न्यायिक अधिकारी को दो साल का स्वतः विस्तार नहीं मिलेगा। संबंधित हाईकोर्ट अधिकारी की योग्यता, कार्यक्षमता और अब तक के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगा। इस आकलन के बाद ही उसे 62 साल तक सेवा में बनाए रखने का निर्णय लिया जाएगा। राज्यों को नियमों में संशोधन की प्रक्रिया

जल्द पूरी करने और अधिमानतः दो महीने के भीतर इसे पूरा करने को कहा गया है। 31 मार्च 2026 के बाद रिटायर अधिकारी भी दायरे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का लाभ उन न्यायिक अधिकारियों को भी मिल सकता है, जो 31 मार्च 2026 या उसके बाद 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हुए हैं। ऐसे अधिकारियों को न्यायिक सेवा में वापस आने का विकल्प दिया गया है।

### क्वाड शेरपाओं की बैठक में व्यापार, समुद्री सुरक्षा और प्रौद्योगिकियों पर हुआ मंथन

**नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक की मेजबानी विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने की**

**नई दिल्ली।**

क्वाड में शामिल देशों के शेरपाओं की बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के व्यापक लक्ष्य के तहत व्यापार, समुद्री सुरक्षा और प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में सदस्य देशों के बीच जारी सहयोग की समीक्षा की गई। गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक की मेजबानी विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने की। क्वाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने देर रात जारी बयान में कहा कि बैठक में क्वाड सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की गई, जिनमें समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि एवं सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। बैठक में ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय के रणनीतिक योजना विभाग के उप सचिव, जापान के विदेश मामलों के वरिष्ठ उप मंत्री हिरोयुकी नमाजू और अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर शामिल हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि शेरपाओं ने क्वाड की मौजूदा पहलों में हुई प्रगति की समीक्षा की और व्यावहारिक सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

# देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम, मथुरा-वृंदावन से द्वारका और पुरी तक उमड़ा आस्था का सैलाब

**श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव आज, प्रमुख मंदिरों में मंगला आरती; ब्रज मंडल में 75 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान**

**नई दिल्ली ।**

देशभर में शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा-वृंदावन, द्वारका, जगन्नाथ पुरी, दिल्ली, जयपुर सहित देश के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इस वर्ष भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।सुबह मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर, गुजरात के द्वारका स्थित द्वारकाधीश मंदिर, दिल्ली के इस्कॉन मंदिर और जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में मंगला आरती की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं। मथुरा-वृंदावन में उमड़ रहे श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में गुरुवार रात से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। जन्माष्टमी पर्व को लेकर मथुरा-वृंदावन समेत पूरे ब्रज मंडल में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। अनुमान है कि जन्मोत्सव के दौरान ब्रज क्षेत्र में करीब 75 लाख श्रद्धालु पहुंच सकते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए हैं। जगन्नाथ पुरी में पांच घंटे बंद रहेगा मुख्य मंदिर ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष धार्मिक परंपराओं का आयोजन किया जा रहा है। एक विशेष रस्म के दौरान मुख्य मंदिर करीब पांच घंटे तक बंद रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस अनुष्ठान में भगवान जगन्नाथ की माता का रूप धारण कर श्रीकृष्ण जन्म से जुड़ी विशेष परंपरा निभाई जाएगी। काशी से मथुरा भेजे गए लड्डू गोपाल के उपहार जन्माष्टमी से पहले श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर लड्डू गोपाल के लिए विशेष उपहार भेजे गए। काशी और मथुरा के बीच

आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने वाली यह परंपरा वर्ष 2024 में शुरू हुई थी। बताया गया कि इस वर्ष देश-विदेश के अनेक मंदिरों से भी श्रीकृष्ण जन्मस्थान के लिए शुभकामनाएं और उपहार भेजे जा रहे हैं।

### सीजेपी में बगावत,4 महीने में ही टूटा अभिजीत दीपके का दल

**कॉकॉरच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' (सीजेपी-डी) के गठन का ऐलान**

**नई दिल्ली।**

राजनीति से दूर रहने का दावा करने वाले अभिजीत दीपके की 'कॉकॉरच जनता पार्टी' (सीजेपी) में आंतरिक कलह सामने आ गई है, और यह दल अपनी स्थापना के मात्र चार महीने बाद ही बिखरता दिख रहा है। मई में बनी यह पार्टी सितंबर आते-आते टूट के कगार पर पहुंच गई है। पार्टी के एक प्रमुख सदस्य मनीष ब्रह्मभट्ट ने न केवल दीपके का साथ छोड़ दिया है, बल्कि एक नए गुट कॉकॉरच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' (सीजेपी-डी) के गठन की घोषणा भी की है। इस घटनाक्रम ने दीपके और उनके साथियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ब्रह्मभट्ट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद को सीजेपी से अलग करते हुए अभिजीत दीपके पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक आंदोलन की सफलता के बाद जमीनी कार्यकर्ताओं और छात्रों के हितों का सौदा कर दिया गया और संगठन एक खास राजनीतिक दल के करीब चला गया है। ब्रह्मभट्ट के अनुसार, आंदोलन की सफलता के बाद गठित की गई 12 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम के चयन में किसी भी जमीनी कार्यकर्ता, छात्र या सोशल मीडिया वॉलंटियर से सलाह नहीं ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नई टीम के 8 सदस्य एक अन्य राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जिससे यह धारणा बनी है कि पूरी टीम एक खास राजनीतिक विचारधारा के हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। ब्रह्मभट्ट ने यह भी कहा कि आंदोलन में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े युवाओं ने हिस्सा लिया था, लेकिन नई टीम में उन्हें जगह नहीं मिली, और महिला, सिख तथा मुस्लिम चेहरों को भी दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस आंदोलन की नींव मेरिट और पेपर लीक के खिलाफ पड़ी थी, उसी आंदोलन के नेतृत्व ने अब मेरिट को हाशिये पर रख दिया है। मनीष ब्रह्मभट्ट ने सीजेपी-डी को एक सच्चा लोकतांत्रिक और राष्ट्रव्यापी संगठन बनाने का वादा किया है, जिसमें हर राज्य के स्थानीय आंदोलनकारियों और वॉलंटियर्स में से पांच-पांच प्रतिनिधियों को चुना जाएगा, ताकि हर क्षेत्र की आवाज को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। दूसरी ओर, अभिजीत दीपके ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है, खासकर किसी विशेष राजनीतिक दल से सांठगागांठ के आरोपों को। उन्होंने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी केवल छात्रों की 'ए टीम' है और इसका किसी अन्य दल से कोई संबंध नहीं है। दीपके ने कहा, ÷कुछ लोग हमें एक विशेष दल की बी टीम बताते हैं, जबकि कुछ अन्य हमें किसी और दल की बी टीम कहते हैं। मुझे लगता है कि इन नेताओं को एक साथ बैठकर तय कर लेना चाहिए।

# मातृत्व अवकाश-करियर को बर्बादी से बचाया,दिल्ली हाईकोर्ट ने दिलाया 10 लाख मुआवजा

**नई दिल्ली।**

दिल्ली हाईकोर्ट ने मातृत्व अवकाश से लौटने वाली महिला कर्मचारियों के अधिकारों को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। दिल्ली की अदालत ने स्पष्ट किया है कि मातृत्व अवकाश किसी महिला के करियर को नुकसान नहीं पहुंचाता। महिला को उसी पद, जिम्मेदारियों, वेतन, वरिष्ठता और पदोन्नति के मौकों के साथ काम पर वापस लेना चाहिए, जिस पर वह अवकाश पर जाने से पहले थी। यदि यह संभव न हो, तब समान करियर संभावनाओं वाला समकक्ष पद दिया जाए। जस्टिस सचिन दत्ता ने मामले में, पेशेवर नुकसान झेलने वाली महिला कर्मचारी को 10 लाख मुआवजे और 1.5 लाख मुकदमे का खर्च, कुल 11.5 लाख का भुगतान करने का आदेश दिया। यह मामला एक चार्टर्ड अकाउंटेंट महिला का था, जो 2022 में मैनेजर-अकाउंटिंग बनी थीं। उनके पास 14 वर्ष का पेशेवर अनुभव था। मई 2023 में गर्भावस्था की सूचना देने पर उन्हें दूसरी टीम में भेजा गया। दिसंबर 2023 में मातृत्व अवकाश के बाद जुलाई 2024 में लौटने पर, उन्हें ट्रेजरी

विभाग में कम जिम्मेदारियों वाले पद पर नियुक्त किया गया, जहां उनके अधीन कोई कर्मचारी नहीं था, जबकि उनके पुरुष सहकर्मियों को सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नत किया गया। कंपनी ने आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि पद और वेतन समान था, और बदलाव अस्थायी था। हालांकि, हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 का संरक्षण सिर्फ नौकरी से निकाले जाने से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गर्भावस्था के कारण सेवा शर्तों में किसी भी प्रतिकूल बदलाव से महिला को सुरक्षा देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# शिक्षक दिवस : शिक्षा का लक्ष्य केवल सफल व्यक्ति नहीं, संस्कारवान मनुष्य बनाना है

(लेखक- कांतिलाल मांडोत )

**- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य पर पुनर्विचार का अवसर**

5 सितंबर भारत के लिए केवल एक स्मरणीय तिथि नहीं, बल्कि शिक्षा के अर्थ और शिक्षक की भूमिका पर विचार करने का अवसर है। इसी दिन 1888 में तमिलनाडु के तिरुत्तनी में जन्मे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने आगे चलकर भारतीय दर्शन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में ऐसी छाप छोड़ी, जिसे देश आज भी सम्मान के साथ याद करता है। वे दार्शनिक थे, शिक्षाविद् थे, राजनयिक थे और स्वतंत्र भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा दूसरे राष्ट्रपति भी बने, लेकिन इन सभी प्रतिष्ठित भूमिकाओं के बीच उन्होंने स्वयं को मूलतः एक शिक्षक के रूप में ही देखा। यही कारण है कि उनका जन्मदिन देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षा का संबंध केवल पुस्तकीय ज्ञान या किसी परीक्षा में प्राप्त अंकों से नहीं है। शिक्षा मनुष्य के भीतर विवेक पैदा करती है, उसे सही और गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता देती है तथा उसके व्यक्तित्व को समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाती है। ज्ञान यदि आचरण को प्रभावित नहीं करता, संवेदनशीलता को जन्म नहीं देता और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने की प्रेरणा नहीं देता तो उसकी उपयोगिता अधूरी रह जाती है। आज शिक्षक दिवस के अवसर पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था वास्तव में किस प्रकार के मनुष्य तैयार कर रही है। क्या शिक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल अच्छी नौकरी, ऊंची आय और प्रतिष्ठित पद प्राप्त करना है या फिर उसका उद्देश्य ऐसा नागरिक तैयार करना भी है जो ईमानदार, अनुशासित, संवेदनशील, जिम्मेदार और विवेकशील हो? आधुनिक शिक्षा ने विज्ञान, तकनीक और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर अवश्य पैदा किए हैं, लेकिन इसके साथ यह विचार भी जरूरी है कि कहीं शिक्षा का मानवीय पक्ष पीछे तो नहीं छूट रहा। समय के साथ शिक्षा की प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है। आज माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर पहले से अधिक चिंतित हैं। प्रतियोगिता बढ़ी है और अच्छे संस्थानों में प्रवेश तथा बेहतर रोजगार के लिए संघर्ष भी कठिन हुआ है। डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधक, वैज्ञानिक या अन्य प्रतिष्ठित पेशे हासिल करना गलत नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब इन उपलब्धियों को ही जीवन की अंतिम सफलता मान लिया जाता है और चरित्र, संवेदना तथा सामाजिक दायित्व को गौण समझ लिया जाता है। एक विद्यार्थी बहुत अच्छे अंक प्राप्त करके किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पा सकता है, लेकिन यदि उसमें ईमानदारी नहीं है, वह अपने से कमजोर व्यक्ति का सम्मान नहीं करता, अपने दायित्वों से बचता है और सफलता के लिए अनुचित रास्ते अपनाने में संकोच नहीं करता, तो शिक्षा की मूल भावना कहीं न कहीं अधूरी रह गई है। इसके विपरीत सीमित साधनों वाला कोई विद्यार्थी यदि सत्यनिष्ठा, परिश्रम, अनुशासन और मानवीय संवेदना के साथ जीवन जीता है तो वह समाज के लिए कहीं अधिक मूल्यवान नागरिक सिद्ध हो सकता है।

यहीं शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं है। वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। उसकी भाषा, व्यवहार, अनुशासन, निष्पक्षता और विद्यार्थियों के प्रति दृष्टिकोण लंबे समय तक उनके मन पर प्रभाव डालते हैं। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल उत्तर नहीं बताता, बल्कि प्रश्न पूछना सिखाता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि सोचने की क्षमता विकसित करता है। वह केवल परीक्षा की तैयारी नहीं कराता, बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए भी तैयार करता है।

डॉ. राधाकृष्णन इसी व्यापक अर्थ में शिक्षक की गरिमा को देखते थे। उनके लिए शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करना था। उनका जीवन स्वयं यह संदेश देता है कि ज्ञान की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। व्यक्ति चाहे किसी भी पद पर पहुंच जाए, उसके भीतर सीखने की जिज्ञासा जीवित रहनी चाहिए। वास्तव में शिक्षक भी आजीवन विद्यार्थी रहता है। बदलती दुनिया, नई तकनीक, नई सामाजिक चुनौतियां और विद्यार्थियों की बदलती मानसिकता शिक्षक से भी निरंतर सीखने की मांग करती हैं। आज के डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के हाथ में पूरी दुनिया की जानकारी पहुंच चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से कुछ ही क्षणों में सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं। ऐसे समय में शिक्षक का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि उसका स्वरूप और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सूचना उपलब्ध कराना अब शिक्षा का अकेला काम नहीं रहा। सूचना की विश्वसनीयता जांचना, उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना, सही निष्कर्ष तक पहुंचना और तकनीक का जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करना सिखाना शिक्षक की नई जिम्मेदारियों में शामिल हो गया है।

हमारे सामने एक और गंभीर चुनौती है—शिक्षा का बढ़ता हुआ परीक्षा-केंद्रित स्वरूप। जब बच्चे की प्रतिभा का मूल्यांकन केवल अंक और रैंक से होने लगे तो सीखने की स्वाभाविक खुशी प्रभावित होती है। प्रतियोगिता आवश्यक है, लेकिन ऐसी प्रतियोगिता जो विद्यार्थी को लगातार तनाव, भय और तुलना की स्थिति में रखे, उस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि परीक्षा जीवन का एक पड़ाव है, जीवन स्वयं नहीं। असफलता किसी व्यक्ति की संपूर्ण क्षमता का प्रमाण नहीं होती।

इसी प्रकार अभिभावकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चे केवल विद्यालय से नहीं सीखते। घर उनका पहला विद्यालय होता है। माता-पिता के व्यवहार, बातचीत, अनुशासन, दूसरों के प्रति सम्मान और कठिन परिस्थितियों में उनके निर्णय बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालते हैं। इसलिए यदि घर में ईमानदारी की अपेक्षा है तो उसका उदाहरण भी घर में ही दिखाई देना चाहिए। यदि बच्चों से संयम और अनुशासन की अपेक्षा है तो उसका पालन बड़ों के जीवन में भी दिखाई देना चाहिए। संस्कार केवल समझाने से नहीं आते, उन्हें जीवन में देखकर सीखा जाता है।

शिक्षक और अभिभावक दोनों की जिम्मेदारी तब और बढ़ जाती है जब समाज में सफलता को केवल भौतिक उपलब्धियों से मापने की प्रवृत्ति बढ़ रही हो। बच्चों के सामने ऐसे आदर्श रखना जरूरी है जिनमें परिश्रम के साथ सेवा, सफलता के साथ विनम्रता और अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी दिखाई दे। शिक्षा का उद्देश्य ऐसा व्यक्तित्व तैयार करना होना चाहिए जो अपने विकास के साथ समाज के विकास में भी योगदान दे। भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा को जीवन से अलग नहीं माना गया। ज्ञान का अर्थ केवल किसी विषय की जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि सत्य की खोज, आत्मानुशासन और जीवन के प्रति सही दृष्टि विकसित करना भी रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक का ज्ञान हमारे लिए उतना ही आवश्यक है, लेकिन उसके साथ मानवीय मूल्यों का समावेश भी जरूरी है। दुनिया के श्रेष्ठ ज्ञान को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक चेतना और नैतिक आधार को मजबूत रखना किसी विरोधाभास का विषय नहीं है। बल्कि यही संतुलित शिक्षा की पहचान हो सकती है।

आज आवश्यकता किसी पुरानी और नई शिक्षा के बीच कृत्रिम संघर्ष खड़ा करने की नहीं, बल्कि दोनों की श्रेष्ठताओं को जोड़ने की है। विज्ञान हमें प्रकृति के रहस्यों को समझने की क्षमता देता है, तकनीक हमारी कार्यक्षमता बढ़ाती है और आधुनिक ज्ञान नए अवसर खोलता है। वहीं नैतिक शिक्षा हमें यह बताती है कि इन क्षमताओं और अवसरों का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाए। ज्ञान की शक्ति तभी कल्याणकारी बनती है जब उसके साथ विवेक और जिम्मेदारी जुड़ी हो।

शिक्षक दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह समाज को शिक्षक के सम्मान की याद दिलाता है। शिक्षक का सम्मान केवल एक दिन पुष्प, उपहार या समारोह तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षक को सम्मानजनक कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त संसाधन, निरंतर प्रशिक्षण और समाज में उचित प्रतिष्ठा मिलना भी आवश्यक है। जिस समाज में शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मचारी समझा जाएगा, वहां शिक्षा की व्यापक भूमिका कमजोर होगी। शिक्षक राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में प्रत्यक्ष भूमिका निभाता है।

इसी के साथ शिक्षकों के लिए भी आत्ममंथन आवश्यक है। विद्यार्थियों को केवल अनुशासन का पाठ पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, उन्हें अनुशासन का अनुभव भी कराना होगा। नैतिकता की बातें तभी प्रभावी होंगी जब शिक्षक स्वयं अपने आचरण में उसका उदाहरण प्रस्तुत करे। विद्यार्थी शिक्षक की कही हुई बात से जितना सीखता है, उससे कहीं अधिक उसके व्यवहार से सीखता है।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन हमें यही व्यापक संदेश देता है कि शिक्षा मनुष्य को उसके भीतर की श्रेष्ठता से परिचित कराने की प्रक्रिया है। उन्होंने दर्शन को जीवन से जोड़ा और शिक्षा को मानव निर्माण का माध्यम माना। उनका राष्ट्रपति पद पर पहुंचना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कम महत्वपूर्ण यह नहीं कि सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर रहते हुए भी उनकी पहचान एक शिक्षक और दार्शनिक की रही।

शिक्षक दिवस पर हमें केवल डॉ. राधाकृष्णन को याद करने के बजाय उनके जीवन से जुड़े शिक्षा-दर्शन को समझने का प्रयास करना चाहिए। आज भारत ज्ञान, विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति तभी स्थायी और सार्थक होगी जब उसके केंद्र में मनुष्य और मानवीय मूल्य बने रहें।

अंततः शिक्षा का प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि विद्यार्थी बड़ा होकर क्या बनेगा। डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी, उद्यमी या कलाकार—वह कुछ भी बन सकता है। उससे पहले और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह कैसा मनुष्य बनेगा। यदि शिक्षा उसे सत्यनिष्ठ, संवेदनशील, जिम्मेदार और विवेकशील बनाती है तो उसकी सफलता का अर्थ व्यापक हो जाता है। यही शिक्षक की सबसे बड़ी उपलब्धि और शिक्षा की सबसे बड़ी सार्थकता है।5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाते हुए इसलिए हमें शिक्षकों को नमन करने के साथ यह संकल्प भी लेना चाहिए कि शिक्षा को केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और बेहतर मानव समाज के निर्माण का माध्यम बनाया जाएगा। डॉ. राधाकृष्णन की स्मृति के प्रति इससे बेहतर श्रद्धांजलि शायद यही होगी कि हम शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को फिर से अपने जीवन और व्यवस्था के केंद्र में स्थापित करें।

( रु 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संपादकीय

## तुरत-फुरत का कारोबार

हाल के वर्षों में देश में खरीदारी का परिदृश्य, ई-कॉमर्स के चलते पूरी तरह बदल गया है। कह सकते हैं कि इसकी अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रही है। जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई शोध परामर्शदात्री 'इन्फिसम' की नवीनतम रिपोर्ट में उजागर होती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्रिक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि ई-कॉमर्स की अगली लहर किसी सीमा तक छोटे शहरों, स्थानीय पसंद, स्थानीय भाषाओं में कंटेंट और सस्ते लॉजिस्टिक पर भी निर्भर करेगी। हालांकि, परंपरागत बाजार इसे अपने अस्तित्व के लिये बड़ी चुनौती मान रहा है। नई पीढ़ी के ग्राहक मोबाइल पर उत्पाद की कीमतें छानकर परंपरागत दुकानदारों से भाव-तौल करने में आगे हैं। उन्हें पता होता है कि किसी उत्पाद की ऑनलाइन कीमत क्या है और दुकान में वह सामान किस भाव मिल रहा है। निस्संदेह, इस ई-कॉमर्स के विस्तार से हमारा परंपरागत बाजार प्रभावित हुआ है। कई मॉलों व परंपरागत बाजारों में पहले जैसी रौनक नहीं रह गई है। लेकिन ई-कॉमर्स का एक लाभ यह भी है कि लोगों को भीड़-भाड़ व ट्रैफिक जाम में फंसने के बजाय आसानी से वक्त-बेवक्त सामान घर पर उपलब्ध हो जाता है। निस्संदेह, ई-कॉमर्स ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया है। कई ई-कॉमर्स कंपनियां कड़े कंप्टीशन का सामना कर रही हैं। इस बाजार में ब्लिंकइट अब भी सबसे आगे है। इस दौड़ में फिर जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट भी शामिल हैं। इस ई-कॉमर्स बाजार में पहले से मौजूद रिटेलर्स और आने वाले प्रतियोगी अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। जिसका मकसद कार्यप्रणाली में तेजी लाकर मुनाफा बढ़ाना है। आने वाले समय में तकनीक इस सेक्टर में बड़े परिवर्तन ला सकती है। उम्मीद करें कि भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से रिटेल की उत्पादकता में काफी सुधार होगा। बहुत संभव है कि आने वाले समय में एआई शॉपिंग असिस्टेंट, कन्वर्सेशनल कॉमर्स और वर्चुअल ट्राई-ऑन से ग्राहकों के उत्पाद खोजने का तरीका बदल सकता है। लेकिन विकास दर को सिर्फ ऑर्डर, स्टोर या डिलीवरी के समय के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। इसमें नियमन की जरूरतें और मुनाफे का दबाव अभी भी एक गंभीर चिंता है। देश में गिग इकॉनमी का तेजी से विस्तार तो हुआ है, लेकिन वर्कर के मेहनताने व सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। देश में ई-कॉमर्स के इस मौके का स्वागत तो करना चाहिए, लेकिन सिर्फ ग्रोथ के पीछे भागना ही लक्ष्य न हो। असली परीक्षा बिजनेस तकनीकी इनोवेशन और ग्राहकों की सुविधा के साथ स्थायी आर्थिकी की होगी। साथ ही रोजगार के विश्वसनीय अवसरों के साथ ज्यादा लोगों तक पहुंचा जा सके।

# घोष की साधना से राष्ट्र साधना तक : 'स्वर निनाद' से 'मरू निनाद' की यात्रा

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

लेखाराम बिश्नोई

लेखक व विचारक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति में घोष केवल वाद्ययंत्रों का सामूहिक वादन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, एकरूपता, साधना और सामूहिक चेतना का प्रभावशाली माध्यम है। संघ की शाखाओं में घोष के स्वर स्वयंसेवकों में लय, ताल, अनुशासन और संगठनात्मक भाव को जागृत करते हैं। जब सैकड़ों और हजारों घोष वादक एक साथ एक ही ताल और स्वर में वादन करते हैं, तो वह केवल संगीत की प्रस्तुति नहीं रहती, बल्कि सामूहिक शक्ति और राष्ट्रभाव की अनुभूति बन जाती है।

राजस्थान में संघ के घोष कार्य की इसी समृद्ध परंपरा का एक उल्लेखनीय अध्याय अजमेर के अजयमेरु स्थित आज़ाद पार्क में आयोजित 'स्वर निनाद' घोष शिविर रहा। यह चार दिवसीय शिविर 30 जनवरी से 2 फरवरी 2014 तक आयोजित हुआ था। इसमें चित्तौड़ प्रांत के अंतर्गत आने वाले 11 जिलों से लगभग 700 घोष वादक एवं संगीत साधक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य घोष वादन के प्रशिक्षण के साथ-साथ स्वयंसेवकों में अनुशासन, सामूहिकता और राष्ट्रभाव को और अधिक सुदृढ़ करना था। समापन समारोह में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का सानिध्य प्राप्त हुआ।

'स्वर निनाद' जैसे शिविर केवल संघ में किसी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाला माध्यम नहीं है। इसके पीछे निरंतर अभ्यास, साधना और एकाग्रता होती है। अलग-अलग वाद्ययंत्रों को एक साथ साधना और सैकड़ों स्वयंसेवकों का एक ही ताल में चलना संगठनात्मक अनुशासन की जीवंत अभिव्यक्ति है।

इसी परंपरा का एक और विराट स्वरूप जयपुर के केशव विद्यापीठ, जामडोली में आयोजित 'स्वर गोविन्दम्' घोष शिविर में 2017 में देखने को मिला। उस विशाल आयोजन में लगभग 1500 घोष वादक स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। जयपुर प्रांत बनने के बाद यह घोष का एक अत्यंत बड़ा आयोजन माना गया। इसका उद्देश्य घोष की वाद्य कला को अधिक प्रभावी बनाना, स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करना तथा सांघिक कार्यक्रमों और संचलन में घोष की भूमिका को व्यापक रूप से सामने लाना था।

अजमेर का 'स्वर निनाद' हो या जयपुर का 'स्वर गोविन्दम्', दोनों आयोजनों ने राजस्थान में घोष की साधना को नई ऊंचाई प्रदान की। इन आयोजनों से प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने आगे विभिन्न शाखाओं और सांघिक कार्यक्रमों में घोष की परंपरा को मजबूत करने में योगदान दिया।

इसी क्रम में अब संघ शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के ठीक पश्चात जोधपुर प्रांत में 'मरू निनाद' घोष शिविर का आयोजन एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनने जा रहा है। जोधपुर प्रांत में लगभग छह वर्ष पूर्व 'मरू निनाद प्रांत घोष वर्ग' की योजना बनाई गई थी, लेकिन उस समय श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या से संबंधित ऐतिहासिक निर्णय के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। अब शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के ठीक पश्चात यह आयोजन 12 से 15 नवंबर तक जोधपुर में है।

इस शिविर में लगभग 5,000 घोष वादक स्वयंसेवकों के भाग लेने की संभावना है। यदि यह आयोजन निर्धारित स्वरूप में होता है तो यह राजस्थान क्षेत्र के तीनों प्रांतों में अब तक के सबसे बड़े घोष आयोजनों में से एक होगा। इतने बड़े स्तर पर घोष वादकों का एक साथ प्रशिक्षण और वादन राजस्थान में संघ के घोष कार्य की व्यापकता और उसकी निरंतर साधना को प्रदर्शित करेगा। इस आयोजन को संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत जी का सानिध्य भी प्राप्त होगा।

'मरू निनाद' केवल एक विशाल घोष शिविर नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही साधना, प्रशिक्षण और संगठनात्मक अनुभव की अगली कड़ी है। 'स्वर निनाद' में 700 घोष वादकों से प्रारंभ हुई यह यात्रा 'स्वर गोविन्दम्' में लगभग 1500 और अब 'मरू निनाद' में लगभग 5,000 घोष वादकों तक पहुंच रही है। यह विस्तार संख्या मात्र का विस्तार नहीं, बल्कि घोष कार्य के प्रति बढ़ती रुचि, समर्पण और साधना का परिचायक है।

घोष के प्रत्येक स्वर में अनुशासन है, प्रत्येक ताल में सामूहिकता है और प्रत्येक लय में राष्ट्रभाव का संदेश है। जब हजारों स्वयंसेवक एक साथ घोष वादन करते हैं तो उनकी ध्वनि केवल वातावरण को गुंजायमान नहीं करती, बल्कि 'मैं' से 'हम' और व्यक्तिगत साधना से सामूहिक राष्ट्र साधना की यात्रा का अनुभव कराती है।

संघ के शताब्दी वर्ष में आयोजित होने वाला 'मरू निनाद' इसी परंपरा का विराट स्वर बनने जा रहा है—जहां वाद्ययंत्रों के स्वर, स्वयंसेवकों का अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना मिलकर राजस्थान की धरती पर एक अद्भुत सांघिक अनुभूति का निर्माण करेंगे।

चिंतन मनन

# अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है।

किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

विचार मंथन

# राष्ट्रपति विलियम का टाटा केमिकल्स को केन्या प्लांट बंद करने का आदेश

(लेखक- सनत जैन/ ईएमएस)

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूतो ने टाटा केमिकल्स कंपनी को केन्या के प्लांट को तुरंत बंद करने का आदेश दिया है। केन्या के राष्ट्रपति रूतो ने बड़े सख्त लेहजे में कहा है, उनका देश केन्या किसी का गुलाम नहीं है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर आरोप लगाया है कि वह इतने साल से केन्या में अपना प्लांट चला रही है, यहां से भारी पैसा कमा रही है लेकिन इस कंपनी ने केन्या के लिए कोई भी ऐसा काम नहीं किया जिससे ऐसा लगे, टाटा केमिकल्स केन्या के विकास और जरूरतों की दिशा में अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या पर खर्च कर रही हो। उन्होंने टाटा केमिकल्स के कामकाज पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा, क्या हम दूसरे देशों के या टाटा केमिकल्स के गुलाम हैं जो इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर कार्यवाही के बाद अन्य कंपनियों को एक तरह से चेतावनी दे दी है। उनका संदेश साफ है, केन्या केवल मुनाफा कमाने का देश नहीं है। जो भी कंपनियां केन्या में काम कर रही हैं उन्हें अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या की बेहतरी के लिए खर्च करना होगा। रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। औद्योगिक विकास में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी होगी। टाटा केमिकल्स का केन्या सरकार के साथ 100 साल का अनुबंध था। उस अनुबंध को तोड़ते हुए केन्या सरकार ने टाटा केमिकल्स को अपना कारोबार समेटने का अल्टीमेटम दे दिया है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में कहा टाटा केमिकल्स ने स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने की दिशा में ना तो स्वयं कोई काम किया है ना ही सरकार को इसमें सहयोग दिया है। टाटा केमिकल्स को टाटा बाय-बाय करने के साथ ही उन्होंने दो अन्य कंपनियों को लाने का फैसला किया है। यह नई कंपनियां टाटा केमिकल्स के कारोबार के साथ-साथ औद्योगिक विकास में केन्या सरकार के साथ मिलकर काम करेंगी। जिस तरह से दुनिया के सारे देशों में वैश्विक व्यापार संधि के बाद बड़ी तेजी के साथ कारोबार बढ़ा है, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में सभी देश अपनी रणनीति बदल रहे हैं। जो विदेशी कंपनियां हैं यदि उनके देश से मुनाफा कमा रही हैं ऐसी स्थिति में उन्हें मुनाफे का एक हिस्सा जिस देश से वह मुनाफा कमा रही हैं उस पर खर्च करने की शर्त लगाना शुरू कर दी है। ताकि किसी भी देश का आर्थिक और सामाजिक शोषण कंपनियां ना कर सकें। केन्या जैसे देश ने इस मामले में पहल की है।

सैकड़ो वर्षों का इतिहास है, अफ्रीका के देशों में जाकर यूरोप और अन्य देशों ने भारी कमाई की है। जिन देशों से वह कमाई कर रहे हैं वहां के लिए वह कुछ भी नहीं कर रहे हैं। केवल अफ्रीकी देशों का शोषण कर रहे हैं। इस स्थिति में अब अफ्रीकी देश काफी सजग हो गए हैं। वह अफ्रीका की संपदा और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जो भी कंपनियां वहां काम कर रही हैं उनके ऊपर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। यदि वह उसे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके साथ सहयोग करेंगे ऐसी स्थिति में वह कारोबार कर सकेंगे अन्यथा उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों को टाटा-टाटा बाय-बाय करने का तरीका ईजाद कर लिया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, आफ्रीकी देश कर्ज के जंजाल में फंसे बिना जिन देसी एवं विदेशी कंपनियों को कारोबार सौंप रहे हैं उसमें अफ्रीकी देश का नेतृत्व युवा पीढ़ी के पास है। वह इस मामले में ज्यादा सजग और आक्रामक है।

भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। यहां बेरोजगारी भी सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में जब केन्या जैसे छोटे देश इस तरह की सोच रखते हैं ऐसी स्थिति में भारत जैसे देश यदि संपन्न देशों के पीछे और बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की शर्तों पर उन्हें आने की अनुमति देते हैं। औद्योगिक निवेश के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें तरह-तरह की छूट दी जाती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के लिए यह एक आईना है। हमारी आबादी है। भारत में कारोबार की अन्य देशों की तुलना में ज्यादा संभावनाएं हैं, ऐसी स्थिति में भारत को भी आत्मविश्वास बनाना होगा। हमारे यहां के विदेश मंत्री जयशंकर चीन और अमेरिका को बड़ी अर्थव्यवस्था मानते हुए जिस तरीके से उनके सामने सरेंडर होकर भारत के हितों को अनदेखा कर रहे हैं उनके लिए केन्या और ईरान जैसे देश से सबक लेने की जरूरत है। जिस नेतृत्वशीलता में हिम्मत होती है। वही सारी चुनौतियों का सामना कर पाते हैं, सामाजिक विकास को नई दिशा दे सकते हैं। सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए नेतृत्वशीलता की सोच और आत्मविश्वास सबसे ज्यादा जरूरी होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## केन्या में टाटा केमिकल्स को परिचालन बंद करने का आदेश

**नैरोबी ।**

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो द्वारा टाटा केमिकल्स को देश में अपना परिचालन बंद करने का आदेश दिए जाने के बाद शुक्रवार को कंपनी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। टाटा केमिकल्स ने कहा कि उसने पूर्वी अफ्रीकी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वह लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी की अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड अफ्रीका की सबसे बड़ी सोडा ऐश विनिर्माता है। राष्ट्रपति रूटो ने हाल ही में कथित तौर पर कहा था कि कंपनी से केन्याई नागरिकों को कोई लाभ नहीं हुआ है। इसके जवाब में टाटा केमिकल्स ने जोर देकर कहा कि 2005 में मगाडी संयंत्र के अधिग्रहण के बाद से उसने केन्या की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दिया है और यह उसके कारोबार का अभिन्न अंग बना हुआ है। कंपनी ने बताया कि उसकी अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) ने खनन परिचालन से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी और दस्तावेज खनन मंत्रालय को सौंप दिए हैं। टीसीएमएल ने मंत्रालय द्वारा उठाए गए सवालों के विस्तृत जवाब दिए हैं और अब सरकार के अगले निर्देशों का इंतजार कर रही है। टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों, मगाडी समुदाय और केन्या में अन्य हितधारकों के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

## जन्माष्टमी पर सोने की चमक फिर लौटी, वैश्विक कारकों से कीमतें बढ़ीं

**तीन दिन की गिरावट के बाद 24 कैरेट सोना 3,340 तक महंगा, चांदी में भी तेजी**

**नई दिल्ली ।**

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को सोने की कीमतों में बड़ी हलचल देखने को मिली। लगातार तीन दिनों की गिरावट का सिलसिला थम गया है और कीमती धातुओं ने फिर से चमक पकड़ ली है। पिछले दो दिनों में 24 कैरेट सोने के दाम 3,340 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ गए हैं, जिसने निवेशकों और खरीदारों दोनों को प्रभावित किया है। देश के ज्यादातर शहरों में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना अब 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि मुंबई में यह 1,55,360 रुपये पर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,443.93 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने की कीमतों में तीन दिनों तक लगातार गिरावट देखी गई थी, जिसमें 24 कैरेट सोना कुल 6,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ था। हालांकि, अब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक परिस्थितियों के चलते कीमती धातुओं में फिर से तेजी लौटती दिख रही है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी उछाल आया है। शुक्रवार को चांदी 100 रुपये बढ़कर 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, कच्चे तेल, डॉलर और वैश्विक घटनाक्रम जैसे कई कारकों से प्रभावित होती हैं।

## जी20 में आदतें बदलें, कार्बन घटाएं

**नई दिल्ली ।** एक नए अध्ययन से पता चला है कि जी20 देशों में व्यवहारिक बदलाव यात्री परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को नाटकीय रूप से कम कर सकते हैं। कारपूलिंग, बसों का अधिक इस्तेमाल और घर से काम करने जैसी आदतें अपनाकर, ये देश सालाना 53.8 लाख टन तक सीओ2 कम कर सकते हैं और 2050 तक तेल के खर्च में 90 अरब डॉलर बचा सकते हैं।यह बदलाव प्रति वर्ष 40.8 से 53.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटा सकता है। भारत के मिशन लाइफ पर आधारित यह अध्ययन सीओपी26 में स्थायी आदतों को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था।

# आरबीआई स्वैप सुविधा ने तोड़े रिकॉर्ड, आया 136 अरब डॉलर का बंपर निवेश!

**एफसीएनआर(बी) ने उम्मीद से ज्यादा जुटाए 127 अरब डॉलर, समयसीमा से एक महीने पहले हुई बंद**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप सुविधा ने अपनी (एफसीएनआर(बी)जमा विंडो के बंद होने तक ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। 31 अगस्त की समयसीमा तक कुल 136.4 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश आकर्षित किया गया, जिसमें से विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा (एफसीएनआर(बी) ने अकेले अनुमान से कहीं अधिक 127.2 अरब डॉलर जुटाए। यह उपलब्धि वैश्विक वित्तीय तंत्र के भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है, लेकिन अब केंद्रीय बैंक के सामने बैंकिंग प्रणाली में जमा हुई भारी तरलता (लिक्विडिटी) के कुशल प्रबंधन की नई चुनौती खड़ी हो गई है। एफसीएनआर(बी) का अप्रत्याशित उछाल और वैश्विक भरोसा 8 जून को शुरू हुई इस रियायती स्वैप सुविधा में एफसीएनआर(बी) जमा ने सबसे अधिक चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज की। 21 अगस्त तक 65.4 अरब के निवेश के मुकाबले, 31 अगस्त को विंडो बंद होने तक यह आंकड़ा बढ़कर 127.2 अरब डॉलर हो गया। योजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, जो मूल रूप से 30 सितंबर तक निर्धारित थी, उसे एक महीने पहले ही बंद कर दिया गया। एक बड़े बैंक के सीईओ ने कहा कि एफसीएनआर(बी) जमा उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा, जो वैश्विक वित्तीय तंत्र का भारत पर भरोसा दिखाता है। ज्यादातर जमाएं 5 साल की अधिकतम परिपक्वता अवधि के लिए आई हैं। अन्य सुविधाओं का योगदान और फंड का उपयोग कुल निवेश में बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 3.9 अरब डॉलर और ओवरसीज विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) के जरिये 5.3 अरब डॉलर जुटाए गए, जिनकी सुविधा 31 दिसंबर, 2026 तक जारी रहेगी। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने स्वैप योजना के जरिये 17.9 अरब डॉलर की एफसीएनआर(बी) जमा जुटाई, जबकि भारतीय स्टेट बैंक ने 10 अरब डॉलर का अपना लक्ष्य पार कर लिया। इन जमाओं का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा गिफ्ट सिटी में आईएफएससी बैंकिंग यूनिट (आईबीयू) के जरिये ऋण आवंटित करने में किया गया, जहां 54.02 अरब डॉलर मंजूर किए गए थे, जिसके मुकाबले 52.8 अरब डॉलर आवंटित किए गए। अप्रैल से अगस्त के दौरान आईबीयू ने 11.62 अरब डॉलर का ईसीबी आवंटित किया और भारतीय बैंकों ने आईएफएससी एक्सचेंजों में बॉन्ड जारी करके 11.12 अरब डॉलर जुटाए। आरबीआई के लिए तरलता प्रबंधन की चुनौती हालांकि एफसीएनआर(बी) जमा योजना की यह शानदार सफलता भारत के लिए अच्छी खबर है, लेकिन इसके जरिये जमा हुई भारी रकम ने केंद्रीय बैंक के सामने तरलता प्रबंधन की गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। बैंकिंग तंत्र में 15 अगस्त तक कोर लिक्विडिटी 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा थी और सितंबर में यह आंकड़ा 10 लाख करोड़ रुपये से भी पार जाने का अनुमान है।

## मणिपाल पेमेंट का आईपीओ नौ सितंबर को खुलेगा

**नई दिल्ली ।**

मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शुक्रवार को अपने 805 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 322-339 रुपये का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी का आईपीओ नौ सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 11 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक आठ सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ में 320 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रवर्तक मणिपाल टेक्नोलॉजीज 1.43 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेगी, जिसका मूल्य 485 करोड़ रुपये तक है। नए शेयर जारी करने से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी मणिपाल, चेन्नई, नवी मुंबई और छत्तीसगढ़ आरटीओ स्थित अपनी इकाइयों में नए और पुराने उपकरण खरीदने तथा उन्हें स्थापित करने में करेगी। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने का प्रस्ताव है।

## वोक्सवेगन दशक के अंत तक 1 लाख कर्मचारियों की छंटनी करेगा

**वैश्विक चुनौतियों और बढ़ती लागत के दबाव में कंपनी, जर्मन प्लांट्स के भविष्य पर भी चिंता**

**मुंबई ।**

दुनिया की प्रमुख ऑटो कंपनियों में से एक वोक्सवेगन ने एक बड़े और ऐतिहासिक पुनर्गठन की घोषणा की है, जिसके तहत कंपनी दशक के अंत तक वैश्विक स्तर पर करीब 1 लाख नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है। यह फैसला बदलती बाजार परिस्थितियों, अमेरिका के टैरिफ, इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उतार-चढ़ाव और चीन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए लिया गया है। यह कदम वोक्सवेगन के इतिहास के सबसे बड़े संगठनात्मक बदलावों में से एक माना जा रहा है। कंपनी के वैश्विक वर्कफोर्स के लगभग 15 फीसदी के बराबर इन छंटनियों में से करीब 50,000 नौकरियों की कटौती पहले ही तय की जा चुकी है, जबकि शेष 50,000 और पदों को कम करने की योजना है। वोक्सवेगन खर्चों में कमी और अपने परिचालन को अधिक कुशल बनाने पर केंद्रित है। चीन, जो दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो बाजार है, वहां स्थानीय इलेक्ट्रिक कार निर्माताओं से वोक्सवेगन को कड़ी चुनौती मिल रही है, जिससे कंपनी के मुनाफे पर दबाव बढ़ा है। इस व्यापक पुनर्गठन के बीच जर्मनी स्थित वोक्सवेगन के चार महत्वपूर्ण प्लांट - हैनोवर, एम्डेन, ज्विकाऊ और नेकार्सुल्म - के भविष्य को लेकर भी चिंताएं उभरी हैं। हालांकि, कंपनी और प्रमुख यूनियन ने साफ किया है कि फिलहाल किसी भी प्लांट को बंद करने की कोई मंजूरी नहीं दी गई है। यह स्थिति वैश्विक ऑटो उद्योग में चल रहे बड़े बदलावों और परंपरागत वाहन निर्माताओं पर बढ़ते दबाव को दर्शाती है।

# वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार में लौटी रौनक

**सेंसेक्स 490 अंक उछला; निफ्टी 23,900 के पार**

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को गिरावट का सिलसिला खत्म करते हुए तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 490 अंक चढ़ा, वहीं निफ्टी भी 23,900 के ऊपर बना रहा। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और आईटी शेयरों की जोरदार खरीदारी ने बाजार को बल दिया। शुक्रवार सुबह के शुरुआती सौदों में, बेंचमार्क सेंसेक्स लगभग 490 अंक चढ़कर 76,643.58 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स ने 76,657.02 पर अपनी यात्रा शुरू की, जो इसके पिछले बंद स्तर 76,152.86 से काफी ऊपर था। कारोबार के दौरान इसने 76,746.80 का ऊपरी स्तर भी छुआ। इसी तरह, निफ्टी 50 ने भी हरे निशान में कारोबार किया, जो 23,910.90 पर खुला और जल्द ही 23,949.85 तक पहुंच गया। सुबह 9:16 बजे तक, निफ्टी 23,900 से ऊपर बना हुआ था, लगभग 0.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज कर रहा था। बाजार में आई इस तेजी में आईटी शेयरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निफ्टी आईटी इंडेक्स लगभग 1.34 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में भी 0.43 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दूसरी ओर, ऑटो, एफएमसीजी और निफ्टी मिडकैप 100 में हल्की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक और अल्ट्राटेक सीमेंट सर्वाधिक लाभ में रहे। मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाइटन जैसे शेयरों ने भी एक प्रतिशत से अधिक की तेजी दिखाई। कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, अडाणी पोर्ट्स, एसबीआई और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सहित कई अन्य शेयर भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बाजार की इस मजबूत शुरुआत के पीछे वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत प्रमुख कारण रहे। गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली थी, जिसमें डाउ जोंस 1.18 फीसदी, एसएंडपी 500 लगभग 1.06 फीसदी और नैस्डैक 1.4 फीसदी चढ़कर बंद हुए थे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वॉलर द्वारा ब्याज दरों में कटौती के नरम संकेतों ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में भी सुबह तेजी का रुख दिखा। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अभी भी बाजार के लिए जोखिम बनी हुई हैं, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

# रिफर्बिश्ड मेडिकल डिवाइस आयात, दिशानिर्देशों का इंतजार

**एक साल बाद भी अंतर-मंत्रालयी समिति की चर्चा जारी**

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार द्वारा रिफर्बिश्ड मेडिकल डिवाइस के आयात को नियंत्रित करने के लिए गठित अंतर-मंत्रालयी समिति एक साल बाद भी विस्तृत दिशानिर्देश जारी नहीं कर पाई है। इससे लगभग 150 करोड़ रुपये के बढ़ते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। भारत में, विशेषकर छोटे शहरों के अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर, कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) और मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर जैसी महंगी मशीनों की लागत कम करने के लिए इन उपकरणों पर निर्भर करते हैं। 1500 करोड़ रुपये के कुल चिकित्सा उपकरण बाजार में रिफर्बिश्ड डिवाइस की हिस्सेदारी 10 फीसदी (लगभग 150 करोड़ रुपये) है। घरेलू विनिर्माताओं को आशंका है कि बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के आसान आयात से मरीज असुरक्षित उपकरणों के संपर्क में आ सकते हैं और भारत पुरानी मशीनों का कबाड़घर बन सकता है। समिति को यह तय करना है कि कौन से उपकरण आयात किए जा सकते हैं, उनकी अधिकतम उम्र क्या होगी, कौन सुरक्षा व कार्यक्षमता प्रमाणित करेगा और

खराबी की स्थिति में किसकी जिम्मेदारी होगी। हालांकि, समिति ने अभी तक केवल कुछ बैठकें की हैं और बाजार डेटा की जांच शुरू की है। स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय और उद्योग प्रतिनिधियों सहित इस समिति की धीमी प्रगति पर एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री के राजीव नाथ ने चिंता जताई है, जो विस्तृत दिशानिर्देशों के जल्द जारी होने की उम्मीद कर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

## रुपया पांच पैसे मजबूत होकर 94.46 प्रति डॉलर पर

**रुपया 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था**

**मुंबई ।**

विदेशी पूंजी के बढ़ते प्रवाह और जोखिम लेने की धारणा में सुधार के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे मजबूत होकर 94.46 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, मजबूत विदेशी पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक के आक्रामक हस्तक्षेप से रुपये को मजबूती मिल रही है। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका-ईरान तनाव रुपये की आगे की बढ़त को सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ था और 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

भारत ने विदेशी मुद्रा तरलता मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय बैंक की विशेष योजना के तहत विदेशी मुद्रा जमा के जरिये रिकॉर्ड 127.23 अरब डॉलर जुटाए हैं।

# विदेशी जमाओं की बंपर आवक से बैंकिंग शेयरों में उछाल

**निजी बैंकों ने एफसीएनआर (बी) जमाओं के जरिए 127 अरब डॉलर से अधिक जुटाए**

**नई दिल्ली।**

भारतीय शेयर बाजार में बैंकिंग शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई। यह उछाल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के बाद आया, जिसमें बताया गया कि बैंकों ने फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमाओं के माध्यम से रिकॉर्ड 127.2 अरब डॉलर जुटाए हैं। इस सकारात्मक खबर के दम पर निफ्टी बैंक इंडेक्स 0.36 फीसदी की बढ़त के साथ 57,380.6 अंक पर बंद हुआ, जबकि व्यापक बाजार सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुए। एफसीएनआर (बी) सुविधा के तहत निजी क्षेत्र के कई बैंकों ने शानदार प्रदर्शन किया। आरबीएल बैंक ने इस अवधि में 3.4 अरब डॉलर जुटाए और बाद में अपनी इंटरनेशनल बैंकिंग यूनिट के जरिए इन जमाओं के आधार पर 1.08 अरब डॉलर का कर्ज भी दिया। वहीं, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एनआरआई ग्राहकों से कुल 3.57 अरब डॉलर की राशि आकर्षित की। आईसीआईसीआई बैंक इस विशेष विंडो के तहत सबसे अधिक रकम जुटाने वाले बैंकों में से एक था, जिसने 31 अगस्त, 2026 तक लगभग 17.88 अरब डॉलर इकट्ठा किए। इस उत्साहजनक प्रदर्शन के चलते गुरुवार को आरबीएल बैंक का शेयर 4.80 फीसदी बढ़कर 408.10 रुपये पर और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 2.83 फीसदी की बढ़त के साथ 87.50 रुपये पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक] आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक जैसे बड़े बैंकों के शेयरों में भी मामूली बढ़त दर्ज की गई। विदेशी जमाकर्ताओं से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के कारण केंद्रीय बैंक को यह सुविधा एक महीने पहले ही बंद करनी पड़ी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एफसीएनआर (बी) में रिकॉर्ड जमाओं ने वित्त वर्ष 27 के लिए सिस्टम क्रेडिट ग्रोथ में 150 आधार अंकों की बढ़ोतरी के साथ इसे 15.5-16 फीसदी तक पहुंचने के उसके अनुमान की पुष्टि की है।

## चीनी के दाम में 20फीसद गिरावट, त्याहारों पर लोगों को मिल सकती है राहत

**एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा**

**नई दिल्ली।**

आने वाले त्योहारों पर चीनी के दाम और गिरने की उम्मीद बढ़ गई है। डिपॉर्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन ने एक्स पर पोस्ट करके चीनी के सस्ता होने की जानकारी दी है। पोस्ट के मुताबिक देश के खुदरा बाजार में चीनी के दाम करीब 5फीसदी तक कम हो गए हैं। इससे पहले चीनी की एक्स-मिल कीमतों में करीब 20फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। अगर चीनीमंडी के आंकड़ों की बात करें तो गुरुवार शाम को अपडेट किए गए रेट के मुताबिक चीनी के दाम 61 रुपए किलो तक आ गए हैं। दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, रांची में 3 सितंबर को चीनी 61 रुपए में बिकी। गुवाहटी, कानपुर और रायपुर में 62 रुपए किलो थी और चेन्नई में 63 रुपए।सरकार का कहना है कि एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर अब धीरे-धीरे खुदरा बाजार में दिखाई देने लगा है और आने वाले दिनों में चीनी के दाम और गिर सकते हैं। सरकार के मुताबिक एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए आने वाले दिनों में इसका प्रभाव और ज्यादा दिखाई दे सकता है यानी चीनी की कीमतों में अभी जो राहत मिली है, उसे शुरुआत माना जा सकता है। अगर मिल स्तर पर कीमतों में गिरावट जारी रहती है तो थोक बाजार के बाद खुदरा बाजार में भी चीनी और सस्ती होने हो सकती है।दरअसल, अगस्त में चीनी की कीमतों में अचानक तेज बढ़ोतरी देखने को मिली थी। इसके बाद सरकार ने चीनी बाजार की निगरानी बढ़ा दी। चीनी के स्टॉक, बिक्री और बाजार भाव पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि जमाखोरी और सट्टेबाजी जैसी गतिविधियों को रोका जा सके। सरकार का जोर इस बात पर है कि बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे और सप्लाई में किसी तरह की परेशानी न हो। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि वास्तविक व्यापार और वितरण से जुड़ी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहेंगी यानी निगरानी और कार्रवाई का मकसद सामान्य कारोबार को रोकना नहीं, बल्कि बाजार में कृत्रिम कमी और अनावश्यक कीमत बढ़ोतरी को नियंत्रित करना है। सरकार के ताजा आंकड़े उपभोक्ताओं के लिए राहत का संकेत हैं। अगस्त में तेजी के बाद अब चीनी की कीमतों का रुख नीचे की ओर है, जिसका फायदा आम लोगों को मिलना शुरू हो गया है।

## एफएसएसएआई की सख्ती से रेस्टोरेंट अलर्ट, नियमों से जुड़े सवाल 40 फीसदी बढ़े

**साफ-सफाई, भंडारण से लेकर दस्तावेजीकरण तक के नियमों पर मांग रहे जानकारी**

**नई दिल्ली।**

भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा रेस्टोरेंट पर की गई हालिया सख्त कार्रवाई ने खाद्य व्यवसायियों को नियमों के पालन के प्रति अधिक गंभीर कर दिया है। नतीजतन, जुलाई से लेकर अब तक खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़े सवालों में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे परामर्शदाताओं के पास काम बढ़ गया है। परामर्शदाताओं के अनुसार, ये सवाल मुख्य रूप से साफ-सफाई, भोजन भंडारण, खाना पकाने के तरीके, खाद्य रंगों व तेल के उपयोग, शाकाहारी-मांसाहारी भोजन के पृथक्करण और अनिवार्य दस्तावेजीकरण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित हैं। इन जिज्ञासाओं का सीधा संबंध एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित कठोर शर्तों से है। मुंबई स्थित आकांक्षा मैनेजमेंट कंसल्टेंसी के एक मुख्य परामर्शदाता ने बताया कि उनकी कंपनी को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण व प्रमाणन से जुड़ी पूछताछ में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। एफएसएसएआई की बढ़ती सख्ती ने कारोबारियों को प्रशिक्षण और दस्तावेजीकरण पर विशेष ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने जानकारी दी कि जहां पहले महीने में मुश्किल से एक प्रशिक्षण सत्र होता था, वहीं जुलाई से अब तक उन्होंने 10-15 ऐसे सत्र आयोजित किए हैं, जिनमें प्रत्येक में लगभग 40 लोग शामिल थे। ये प्रशिक्षण एफएसएसएआई के स्वच्छता व साफ-सफाई मानकों की जानकारी देते हैं। हालांकि एफएसएसएआई की ज्यादातर कार्रवाई महाराष्ट्र में केंद्रित है, लेकिन इसका असर दिल्ली-एनसीआर जैसे अन्य शहरों में भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भी एक परामर्श कंपनी के विशेषज्ञ ने नियमों के पालन संबंधी 40 फीसदी अधिक सवाल आने की पुष्टि की। इस बढ़ी हुई सख्ती के कारण रेस्टोरेंट संचालकों पर खर्च का बोझ भी बढ़ गया है, जो सही प्रशिक्षण, वेंडर प्रमाणन और साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने पर होने वाले खर्च के कारण बढ़ा है।

# बिड़ला समूह की अक्षय ऊर्जा अधिग्रहण योजना को मिला बंपर ऋण प्रस्ताव

**शेल के नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए 24,000 करोड़ के प्रस्ताव मिले**

**मुंबई ।**

भारतीय उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला के समूह को शेल पीएलसी की भारत स्थित अक्षय ऊर्जा संपत्तियों के महत्वाकांक्षी अधिग्रहण के लिए बैंकों से उम्मीद से कहीं अधिक ऋण प्रस्ताव मिले हैं। कंपनी ने 14,000 करोड़ का ऋण जुटाने की योजना बनाई थी, लेकिन उसे लगभग 70 प्रतिशत अधिक, यानी लगभग 24,000 करोड़ रुपए (2.5 बिलियन डॉलर) की ऋण प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं। यह आरबीआई के हालिया नियमों के बाद बड़े कॉर्पोरेट सौदों के वित्तपोषण में भारतीय बैंकों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को उजागर करता है। देश के कम से कम चार बड़े बैंकों ने इस बड़े कॉर्पोरेट ऋण के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता जताई है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एक्सिस बैंक प्रत्येक ने 7,000 करोड़ रुपए तक की ऋण सीमा की पेशकश की है, जबकि पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 5,000-5,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट लाइन दी है। यह ऋण आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स लिमिटेड को सोलेनेर्जी पावर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण कर शेल की अक्षय ऊर्जा सहायक स्प्रिंग एनर्जी पर नियंत्रण हासिल करने में मदद करेगा, जो भारत में 5-गीगावाट का नवीकरणीय पोर्टफोलियो संचालित करती है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 1 जुलाई से स्थानीय बैंकों को कॉर्पोरेट अधिग्रहणों के वित्तपोषण की अनुमति देने के बाद से इस क्षेत्र में भारी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से 15 अगस्त के बीच भारतीय बैंकों द्वारा दिए गए ऋण में 18.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जो जमा वृद्धि (14.7 फीसदी) से अधिक है। बिड़ला समूह एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे अन्य निजी बैंकों से भी बातचीत कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशियन गेम्स 2026

## वीवीएस लक्ष्मण होंगे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ( बीसीसीआई ) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ( सीओई ) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की भूमिका निभाएंगे । इसकी पुष्टि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय दल की घोषणा के साथ की । मंत्रालय की तरफ से घोषित 768 सदस्यीय भारतीय दल में 503 एथलीट, 246 टीम अधिकारी और सहयोगी स्टाफ तथा 19 स्टाफ दल के सदस्य शामिल हैं ।

नियमित हेड कोच गौतम गंभीर को वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले आराम दिया गया है । ऐसे में वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में पुरुष टीम की देखरेख करेंगे । मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सुनील जोशी, ऋषिकेश कानितकर और सुभादीप घोष लक्ष्मण के साथ जुड़ेंगे, जबकि अमोल मजूमदार एशियन गेम्स में महिला टीम की कमान संभालेंगे । लक्ष्मण ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम की देखरेख की थी । ऐसा तब हुआ था जब इंग्लैंड के विरुद्ध व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद गंभीर को आराम दिया गया था । भारतीय पुरुष और महिला टीमें एशियन गेम्स में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेंगी, क्योंकि उन्होंने 2022 हांग्जो खेलों में खिताब जीता था । ऋतुराज गायकवाड़ ने एशियन गेम्स में मुख्य रूप से दूसरी पंक्ति की भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि हरमनप्रीत कौर ने महिला प्रतियोगिता में 'विमन इन ब्लू' को गोल्ड मेडल दिलाया था ।

## इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिखकर जेको ने फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली । बोस्निया और हर्जेगोविना के दिग्गज खिलाड़ी और मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्टार एडिन जेको ने इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान किया है । बोस्निया का यह स्टार खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच 2 अक्टूबर को खेलेगा, जब उनकी टीम नेशंस लीग में स्वीडन का सामना करेगी । एडिन जेको ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि नेशनल टीम के लिए खेलना फुटबॉल से मिला सबसे कीमती तोहफा रहा है । 40 साल के इस खिलाड़ी ने अपने 20 साल के सफर के यादगार पलों को भी याद किया । जेको ने पोस्ट में लिखा, 'कभी-कभी मैं सोचता था कि यह पल कब आएगा, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द लिखते समय मैं इतना भावुक हो जाऊंगा । 2 अक्टूबर को मैं स्वीडन के खिलाफ अपनी नेशनल टीम के लिए अपना अगला और आखिरी मैच खेलूंगा । मेरे करियर में किसी भी चीज की तुलना उस गर्व से नहीं की जा सकती, जो मुझे हर बार उस जर्सी को पहनकर महसूस हुआ । कुछ भी नहीं । यह मेरा बचपन का सपना था । फुटबॉल के मैदान पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने वाले उन सभी 151 मैचों में मैं उस सपने को अपने साथ लेकर चला । 'जेको ने 20 साल पहले तुर्की के खिलाफ बोस्निया की जर्सी में खेले गए अपने पहले मैच को भी याद किया और कहा, 'तुर्की के खिलाफ खेले गए उस मैच को लगभग 20 साल बीत चुके हैं । उस दिन के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, और मैं भी बदल गया हूं, लेकिन इस जर्सी के लिए मेरा प्यार कभी नहीं बदला ।' 40 साल के इस खिलाड़ी ने 151 मुकाबलों में कुल 73 गोल किए, जो बोस्निया और हर्जेगोविना के लिए रिकॉर्ड हैं । अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने टीम को दो वर्ल्ड कप तक पहुंचने में मदद की । 2014 में उन्होंने पहली बार अपने देश को वर्ल्ड कप में पहुंचाया, तो 2026 में टीम ने अंतिम 32 तक का सफर तय किया था । टीम में अनगिनत योगदान देने के बाद, जेको का मानना ह्यह्यहै कि अब पीछे हटने का सही समय है ।उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अब पीछे हटने का समय आ गया है ।

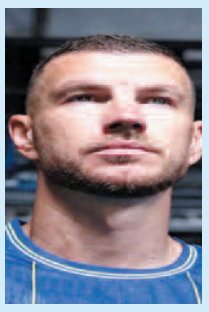

चाइना मास्टर्स

# भारत के किदांबी श्रीकांत को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

### यियू की चुनौती से नहीं पा सके पार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया के पूर्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चीन मास्टर्स सुपर 750 में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेक यियू से सीधे गेम में मिली हार से समाप्त हो गया। इस 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी ली चेक से 16-21, 16-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहते हुए फॉर्म में वापसी की झलक दिखाई थी।अब सेमीफाइनल में ली चेक का सामना फ्रांस के दूसरे नंबर पर काबिज क्रिस्टो पोपोव से होगा। श्रीकांत ने पिछले दौर में शानदार प्रदर्शन किया था, उन्होंने राउंड 16 में कनाडा के दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराया था। लेकिन ली चेक के खिलाफ उन्हें लंबे समय तक मुकाबले में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ा, खासकर तब जब पहले गेम के बीच में उन्होंने अपनी बढ़त और लय गंवा दी।

### शुरुआती बढ़त बनाने के बाद गंवाई लय

श्रीकांत ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन ली चेक ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली। हांगकांग के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर छह अंकों की शानदार बढ़त बनाते हुए स्कोर 14-6 कर दिया। श्रीकांत ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतर काफी बड़ा हो चुका था। ली चेक ने धैर्य बनाए रखा और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में मुकाबला काफी कड़ा रहा। श्रीकांत ने एक बार फिर आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाई, लेकिन ली चेक ने लगातार अंक हासिल कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद रैलियां लंबी होती गई और दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतर बेहद कम रहा। बढ़त कई बार बदली और दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए 15-15 तक पहुंच गए।

जब ऐसा लगा कि श्रीकांत जीत के करीब पहुंच रहे हैं, तभी ली चेक ने अपनी गति बढ़ा दी। उन्होंने लगातार तीन अंक हासिल कर 18-15 की बढ़त बना ली और इसके बाद तीन और अंक लगातार जीतकर मुकाबला सीधे गेम में समाप्त कर दिया। 30 वर्षीय ली चेक ने मई में सिंगापुर ओपन में भी शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी को हराया था।

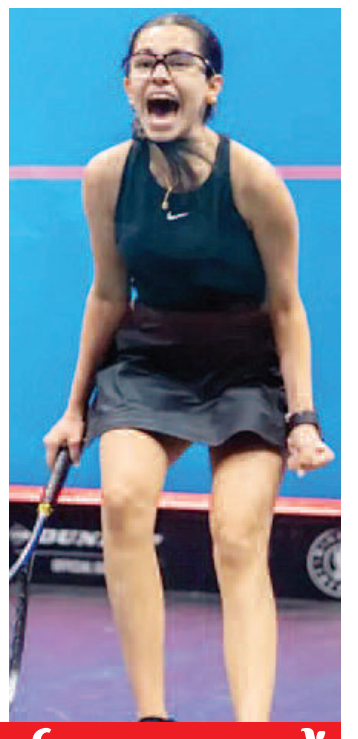

### अनाहत सिंह पहुंची क्वार्टर फाइनल में

**नई दिल्ली।** महिला विश्व नंबर 20 अनाहत सिंह ने बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। इसी के साथ अनाहत लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत ने 1,44,000 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे दौर में आठवीं सीड गिलिस को 13-11, 4-11, 11-8 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला, जो टूर पर दोनों के बीच पहली भिड़ंत थी।18 वर्षीय अनाहत सिंह 2021 के बाद पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर 8 सीड गिलिस को हराया, जो पिछले साल लंदन क्लासिक के फाइनल में पहुंची थीं। 'एली पैली' में मौजूद दर्शकों को कई जबरदस्त रैलियां देखने को मिलीं। अनाहत ने पहला गेम जीता, लेकिन वापसी करती गिलिस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हालांकि, अनाहत अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के पिछले हिस्से में रखने और 'टी' (कोर्ट का केंद्र) पर अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहीं। साथ ही, उन्होंने फ्रंट कॉर्नर पर सटीक शॉट खेलकर जीत हासिल की। अगले राउंड में अनाहत का मुकाबला 2024 की विनर शिवसंगरी सुब्रमण्यम से होगा, जिन्होंने नार्डिन गारस को हराया था।

मलयेशियाई खिलाड़ी ने दो साल पहले इसी वेन्यू पर अपना सबसे बड़ा खिताब जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 हानिया अल हम्मामी, आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर अल शेरबिनी और बेल्जियम की नेले गिलिस को हराया था और 11-5 से दो जीत के बाद, उनके एक बार फिर टूर्नामेंट में आगे तक जाने की अच्छी उम्मीद है। अनाहत सिंह और शिवसंगरी सुब्रमण्यम के बीच होने वाला मुकाबला यह संकेत दे सकता है कि एशियन गेम्स में क्या उम्मीद की जा सकती है, जहां स्क्वाश के पहले ओलंपियन तय किए जाएंगे।

# भारत ने हांगकांग चीन पर दर्ज की एकतरफा जीत

**नई दिल्ली।** भारत ने महिला एशिया कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में हांगकांग चीन को 137 रनों से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत का अब अगला और ग्रुप स्टेज का तीसरा व आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 5 सितंबर को होगा। इस मैच में जीत के साथ भारत ग्रुप ए में आखिरी तक नंबर 1 रह सकता है।

इस मैच में भारत ने 194 रन का लक्ष्य रखा था और स्मृति मंधाना ने 64 गेंद पर 124 रन की पारी खेली थी। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। वहीं नंदनी शर्मा, प्रेमा रावत और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले।

### भारत ने बनाए 5 विकेट पर 193 रन

भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इसमें से अकेले 124 रन स्मृति मंधाना के थे। उनके अलावा 17 गेंद पर 28 रन शेफाली वर्मा ने बनाए। उनके और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी हुई। हांगकांग चीन को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य मिला।

### स्मृति ने ठोका शानदार शतक मिताली का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

**नई दिल्ली।** महिला एशिया कप 2026 के दूसरे मुकाबले में भारतीय उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक जड़ा । उनका टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा शतक था । इसी के साथ उन्होंने मिताली राज के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है । उनके नाम अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन दर्ज हो गए हैं । उन्होंने मिताली के 10868 रन के रिकॉर्ड को अपने 302वें इंटरनेशनल मैच में तोड़ा ।मिताली राज ने अपने इंटरनेशनल करियर में 333 मैच खेलते हुए 10868 रन बनाए थे । वहीं स्मृति ने अपने करियर के 302वें मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली । अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं । इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं सूजी बेट्स । महिला एशिया कप में भी स्मृति सबसे ज्यादा 18 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनीं । इस दौरान उन्होंने मिताली राज के महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर की भी बराबरी की ।

एशियाई खेल

## निशानेबाज मनु भाकर ने मांगा था पिता का सहारा, पर नहीं मिली मंजूरी सिंधू को फिजियो का मिला साथ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशियाई खेलों में पीवी सिंधू की फिजियो हीरा तो पहलवानों को तीन विदेशी प्रशिक्षकों को खेल मंत्रालय और साई के हस्तक्षेप पर अंतिम क्षणों में एशियाड के दल में जगह मिली है। कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं निशानेबाज मनु भाकर की पिता रामकिशन भाकर का सहारा देने की मांग को मंजूरी नहीं दी गई है।77 सदस्यीय एथलेटिक्स दल का सपोर्ट स्टाफ भी 23 से बढ़कर 31 हो गया। 244 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ, 33 फिजियोथेरेपिस्ट, 22 डॉक्टर, वीडियो एनालिस्ट, 10 मालिशिए व तीन साइकोलॉजिस्ट हैं। टेटे खिलाड़ी सुतीर्था मुखर्जी, लांग जंपर शाहनवाज खान, एंसी सोजन खिलाड़ियों की मांग पर उनके निजी प्रशिक्षकों को भी अंतिम क्षणों में जगह मिली है।

### जापानी कोच होंगी पहलवानों के साथ

पीवी सिंधू ने एशियाई खेलों में अपनी फिजियो हीरा मुंदलुरु को ले जाने की गुहार लगाई थी । बैडमिंटन महासंघ ने नाम नहीं भेजा था, पर साई ने सिंधू की गुहार मान ली । कुश्ती महासंघ ने महिला विदेशी कोच जापान की कोसेई अकाइशी, ग्रीको रोमन कोच रूस के गोगी कोगुआशविली, फ्रीस्टाइल कोच शाको बेंटिनिडिस का नाम शामिल नहीं किया था, पर अब ये सूची में हैं । टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन, सिंड्रेला दास और सुतीर्था मुखर्जी ने निजी कोच सौम्यदीप रॉय का साथ मांगा था । इसे मंजूर कर लिया गया । शाहनवाज के कोच भूपिंदर सिंह और एंसी सोजन के कोच अनूप जोसेफ को भी दल में जगह मिली है ।जसपाल के निधन के बाद पहले बड़े टूर्नामेंट में उतर रहीं मनु भाकर मानसिक मजबूती के लिए पिता का साथ चाहती थीं । आईओए ने रामकिशन भाकर का नाम उनके निजी कोच के रूप में रखा, जिसे मंत्रालय व साई ने खारिज कर दिया ।

अभिषेक शर्मा का जन्मदिन

# चार साल की उम्र में थामा बल्ला, सपना किया साकार

### युवराज के मार्गदर्शन में निखरा खेल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अभिषेक की गिनती विश्व के सबसे तूफानी सलामी बल्लेबाजों में की जाती है। महज 25 साल की उम्र में ही अभिषेक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बड़े मुकाम हासिल कर चुके हैं। अभिषेक का जन्म चार सितंबर 2000 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। अभिषेक के पिता राजकुमार शर्मा खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे। यही वजह थी कि शुरुआत से ही घर में क्रिकेट से जुड़े उपकरण हमेशा मौजूद रहे।

पिता को देखकर अभिषेक को भी क्रिकेट से धीरे-धीरे लगाव होने लगा। महज चार साल की उम्र में अभिषेक अपने पिता का बल्ला उठाने का प्रयास किया करते थे, जिसके बाद उनके लिए पिता एक प्लास्टिक का बैट लेकर आए। बचपन में ही अभिषेक खूब अभ्यास किया करते थे। वह अपनी मां-बहनों से खुद को गेंदबाजी करने के लिए कहा करते थे। अभिषेक ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला कर लिया। अभिषेक के पिता भारत के लिए नहीं खेल सके, लेकिन वह चाहते थे कि उनका बेटा टीम इंडिया की जर्सी में जरूर खेले। पिता के सपने को अभिषेक ने अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया।

### 2017 में प्रथम श्रेणी में किया डेब्यू

महज 16 साल की उम्र में पंजाब की ओर से खेलते हुए अंडर-16 स्तर पर अभिषेक ने एक सीजन में 1200 रन बनाए और 57 विकेट निकालने में भी सफल रहे, जिसके चलते उन्हें बीसीसीआई का नमन पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद अभिषेक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2017 में उन्होंने पंजाब के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना डेब्यू किया। अभिषेक साल 2018 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।अभिषेक का करियर और जिंदगी तब बदली, जब वह भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की शरण में पहुंचे। युवराज के मार्गदर्शन में अभिषेक का खेल दिन-प्रतिदिन निखरता गया। इंडियन प्रीमियर लीग ( आईपीएल ) 2024 में अभिषेक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से खूब सुर्खियां बटोरी। उन्होंने इस सीजन 204 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 484 रन बनाए। इसी साल अभिषेक को टीम इंडिया की ओर से पहली बार बुलावा भी आया। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने करियर के दूसरे ही मैच में तूफानी शतक लगाया और हर किसी को अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

## अमीर और ताकतवर देशों में डर: 40% मानते हैं, 250 साल में खत्म होगा अमेरिका; निराशा की वजह क्या

**लंदन, एजेंसी।** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नौकरियों पर खतरा, जलवायु परिवर्तन, युद्ध की आहट और गहराता आर्थिक ध्रुवीकरण...। पश्चिमी दुनिया (अमेरिका और यूरोप) के संपन्न देशों में हर हफ्ते सामने आने वाले ओपिनियन पोल्स एक ही बात दोहरा रहे हैं, लोग भविष्य को लेकर पहले कभी इतने ज्यादा आशंकित और डरे हुए नहीं थे। 2026 में सामने आए एक सर्वे में 5 में से 2 अमेरिकी नागरिकों (40%) ने आशंका जताई कि 2276 में अपनी स्थापना के 500 साल पूरे होने तक अमेरिका शायद एक देश के तौर पर बचेगा ही नहीं। अधिकांश लोगों का मानना है कि 2050 तक उनका देश कमजोर, आर्थिक रूप से पिछड़ा और राजनीतिक तौर पर और बंटा हुआ होगा। ब्रिटेन और फ्रांस जैसे अमीर देश संकटग्रस्त मुल्कों के साथ कतार में खड़े हैं। लेकिन इसके उलट, 55 देशों में किए गए यूनिसेफ और ग्लोबल सर्वे के आंकड़े बिल्कुल विपरीत तस्वीर पेश करते हैं। इंडोनेशिया, कीनिया, सऊदी अरब और कोलंबिया जैसे मध्यम आय वाले देशों के नागरिक अपने कल को लेकर पश्चिमी रईसों के मुकाबले कई गुना ज्यादा आशावादी हैं। साइंस जर्नल 'नेचर' में प्रकाशित शोध के अनुसार, भविष्य को लेकर उम्मीद इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आज आपके पास कितनी दौलत हैं, बल्कि यह इस बात पर टिकी है कि आप किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

## जी-20 बैठक में घमासान: अमेरिका पर बिफरे यूरोपीय देश, कनाडा से तीखी नोकझोंक; जर्मनी-फ्रांस ने भी उठाए सवाल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक मॉडल को दुनिया के सामने 'रोल मॉडल' की तरह पेश करने की कोशिशें उल्टी पड़ गईं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सम्मेलन के लगभग हर सत्र की शुरुआत यह कहते हुए की कि दुनिया को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की नकल करनी चाहिए। लेकिन मेज के दूसरी तरफ बैठे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी-जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इस आत्ममुग्धता को स्वीकार करने के बजाय अमेरिकी नीतियों पर दुनिया की आर्थिक तरक्की को पटरी से उतारने का खुला आरोप मढ़ दिया। ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध के चलते ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और शिपिंग रूट्स का ठप होना, सहयोगियों को भरोसे में लिए बिना यूरोपीय मुद्रा (यूरो) बेचकर जापानी येन को सहारा देना, और कनाडा समेत यूरोपीय देशों पर थोपे गए दंडात्मक टैरिफ जैसे मुद्दों पर पश्चिमी ब्लॉक के भीतर ही खुला असंतोष फूट पड़ा।

## मिसाइलों के साए में पढ़ाई: यूक्रेन में जमीन के नीचे बने 74 स्कूल, बंकर में कैसे हो रही भविष्य की तैयारी

**रियाबेंको, जापोरिजिया, एजेंसी।** चार साल से लगातार बरसती मिसाइलों और लड़ाकू विमानों की गर्जना के बीच यूक्रेन के 74 स्कूल भविष्य की पीढी तैयारी करने में जुटे हैं। जमीन के ऊपर नजर डालें तो सिर्फ एक खुला खेल का मैदान या फुटबॉल का टर्फ नजर आता है। लेकिन कई मीटर गहरी मिट्टी और कंक्रीट की मजबूत दीवारों के नीचे उतरें, तो वहां नीले रंग की सुरंगों में सजी क्लासरूम्स, बेंचों पर झूलते छोटे-छोटे बच्चों के पैर और ब्लैकबोर्ड पर लिखे नए सत्र के सबक दिखाई देते हैं। दक्षिणी यूक्रेन के औद्योगिक शहर जापोरिजिया में स्कूल के पहले दिन का नजारा किसी साइंस-फिक्शन फिल्म या दुनिया खत्म होने के बाद के दृश्य जैसा लग सकता है। लेकिन चार साल से ज्यादा समय से रूस के लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन के माता-पिता के लिए ये अंडरग्राउंड बंकर-स्कूल किसी अभिशाप नहीं, बल्कि सबसे बड़े सुकून का जरिया हैं। यूक्रेन में अब ऐसे 74 पूरी तरह से भूमिगत स्कूल संचालित हो रहे हैं। किराने की दुकान चलाने वाले 39 वर्षीय ऑलेक्सांद्र लागिन, जिनके दो बेटे जमीन के नीचे पढ़ते हैं, साफ कहते हैं-ड्रोन और मिसाइलों के इस दौर में पाताल में गए बिना बच्चों को पढ़ाना नामुमकिन हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध के मोर्चे से महज 15 किमी दूर स्थित जापोरिजिया शहर राजधानी कीव की तुलना में बच्चों को निर्बाध शिक्षा देने के लिए बेहतर तैयार है। कीव में स्कूल के एक दिन में औसतन 158 मिनट तक हवाई सायरन बजते रहते हैं। सायरन बजते ही सभी क्लास के बच्चों को दूंस-ठूंसकर सामान्य बेसमेंट में भर दिया जाता है, जहां पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाती है। जापोरिजिया में यूरोपीय फंडिंग से यहां 10 अत्याधुनिक भूमिगत स्कूल बनाए गए हैं।

# ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब भी लापता; मृतकों का आंकड़ा 1225 पहुंचा

**काठमांडू, एजेंसी।** तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिकों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। इस आपदा में नेपाल के कई इलाकों में भारी तबाही हुई है। नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,200 से अधिक हो चुकी है, जबकि 4,875 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। फ्लैश फ्लड के एक सप्ताह बाद भी कई प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता छेत्री के मुताबिक, रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में बह गए कम से कम 19 लोगों के शव भारत में बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शव भोटेकोशी नदी से त्रिशूली और नारायणी नदी के रास्ते बहते हुए भारत पहुंचे। इन शवों को नेपाल की सीमा से लगे भारत के रुपन्देही और नवलपरासी पश्चिम जिलों के आसपास बरामद किया गया। नेपाल के अधिकारियों को शव सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

छेत्री ने बताया कि बाढ़ के दौरान तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिक लापता हो गए। वहीं, तीर्थयात्रा और कारोबार के सिलसिले में तिब्बत गए करीब 3,000 नेपाली नागरिक वहां फंस गए थे। इनमें से 2,500 से अधिक नेपाली सुरक्षित रूप से नेपाल लौट चुके हैं। अधिकांश

लोगों ने हिल्सा और तातोपानी सीमा चौकियों के जरिए वापसी की, जबकि कुछ नागरिकों को हवाई मार्ग से भी नेपाल लाया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, तिब्बत के केरुंग सीमा क्षेत्र में अभी भी करीब 1,500 नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं। उन्हें सुरक्षित तरीके से नेपाल वापस लाने के लिए दोनों देशों के अधिकारी लगातार बातचीत कर रहे हैं।

**ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब भी लापता, परिवारों की उम्मीदें धुंधली :** नेपाल-चीन सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब तक लापता हैं। परिवार लगातार उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन प्रभावित इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने से उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। बाढ़ के दौरान तिमुरे स्थित चीनी इमिग्रेशन चेकपॉइंट के पास भारी तबाही हुई थी। इस घटना में स्थानीय संचार ढांचा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद लापता यात्रियों से संपर्क नहीं हो सका। ठाणे से यात्रा पर गए दो पर्यटकों के सुरक्षित घर लौटने की जानकारी है। अब तक जिले के डोंबिवली निवासी प्रकाश शांताराम माने और उनकी पत्नी प्रतिभा ही सुरक्षित वापस लौटे हैं। बाकी 10 यात्रियों के परिजन लगातार प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर उन्हें तलाशने की अपील कर रहे हैं। लापता यात्रियों में सतीश विनायक पाटणकर और उनकी पत्नी रेखा पाटणकर भी शामिल हैं। सतीश के भाई संजय पाटणकर ने बताया कि बाढ़ आने के बाद से परिवार का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अनुसार लापता यात्रियों में समीर मुकुंद जोशी, अपर्णा समीर जोशी, सुनील सुदर्शन सुभेदार, संजय राजमल पाटिल, नलिनी संजय पाटिल, रजनीश रघुनाथ नातू, यशस भंड और अभिषेक घोने शामिल हैं। इनके अलावा सतीश और रेखा पाटणकर भी लापता हैं। ठाणे जिला प्रशासन ने बताया कि लापता यात्रियों का पता लगाने के लिए नेपाल में आपदा राहत दलों और टूर ऑपरेटरों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अब तक 166 भारतीयों का रेस्क्यू, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 166 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बुधवार को बचाए गए तीन लोग भी शामिल हैं। वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र गए 410 भारतीय नागरिक बुधवार को चीन से रवाना हो गए। भारत ने बुधवार को राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी। भारतीय वायुसेना का एक विमान काठमांडू पहुंचा, जिसमें करीब 5.5 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई। इसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक दवाएं शामिल हैं। इसके साथ ही विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल और छह टन से अधिक आधुनिक रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए। भारत अब तक नेपाल को लगभग 74 टन राहत सामग्री उपलब्ध करा चुका है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने राहत सामग्री नेपाल सरकार को सौंपी।

## मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका: ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली अहम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

**ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी :** ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की,

अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइबर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

**20 अगस्त :** तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है। **24 अगस्त :** विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। **27 अगस्त :** विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा। **29 अगस्त :** कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से।

## अमेरिका: मिनियापोलिस में अपार्टमेंट के अंदर गोलीबारी से हड़कंप, संदिग्ध समेत दो की मौत; तीन पुलिस कर्मी घायल

**लंदन, एजेंसी।** अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर के मध्य इलाके में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट इमारत में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी के संदिग्ध की भी मौत हो गई। मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन ने बुधवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तीन पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। इनमें से दो को गोली लगी है। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर के अनुसार, तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है।

**गोलीबारी में दो लोगों की मौत :** पार्टेन ने बताया कि इमारत में गोली चलने की सूचना 911 पर शाम 4:30 बजे के ठीक बाद मिली। इसके तीन मिनट बाद पुलिस अधिकारी इमारत में दाखिल हुए और उन्हें ऊंची इमारत के अंदर घायल लोग मिले। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने और गोलियां चलने की आवाज सुनी और आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। वहां धुंध जैसी स्थिति थी, जिससे उनकी देखने की क्षमता काफी सीमित हो गई थी। पार्टेन ने कहा, ''यह बेहद दुखद घटना है और हमारी संवेदनाएं तथा प्रार्थनाएं उन परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है। हम घायलों, घायल अधिकारियों और उनके परिवारों के साथ भी हैं।'' उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। पार्टेन ने कहा कि यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि गोलीबारी करने वाले व्यक्ति की मौत कैसे हुई।

जूलियस बेली अपने अपार्टमेंट की इमारत के बाहर बैठे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को पिस्तौल लिए देखा, जिसे वह इमारत के निवासी के रूप में पहचानते थे। बेली ने बताया कि उन्होंने एक महिला को चीखते हुए सुना और तुरंत वहां से भागने लगे। उनके मुताबिक, उन्होंने आठ गोलियों की आवाज गिनी। बेली ने कहा कि वह बंदूक लिए व्यक्ति को पहचानते थे, क्योंकि वह अक्सर अपना हथियार दिखाने के लिए जाना जाता था।

# क्या वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ खारिज होगा मामला इस आधार पर मिल सकती है राहत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी ने बुधवार को एक अमेरिकी न्यायाधीश से अपने खिलाफ लगाए गए ड्रग तस्करी के आरोपों को खारिज करने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि किसी देश के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के रूप में उन्हें कानूनी प्रतिरक्षा हासिल है। मैनहट्टन की संघीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों में मादुरो के वकीलों ने कहा कि कानून के तहत न्यायाधीश को आरोपपत्र खारिज करना ही होगा, क्योंकि किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष के खिलाफ इस तरह का मामला नहीं चलाया जा सकता।

**किस कानून के आधार पर आरोप खारिज करने की मांग कर रहे हैं मादुरो :** वकीलों ने कहा, 'किसी भी अमेरिकी अदालत ने अब तक ऐसे विदेशी नेता के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की सुनवाई नहीं

की है, जिसे आरोप लगाए जाने के समय उसके अपने देश ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में मान्यता हालि हो।' उन्होंने कहा, 'यह महज संयोग नहीं है। यह एक ऐसे नियम को दर्शाता है जो सामान्य कानून से भी पुराना है। राष्ट्राध्यक्ष अपने देश की अदालतों को छोड़कर किसी भी अन्य देश की अदालत की आपराधिक कार्रवाई से मुक्त होते हैं।' मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ ड्रग तस्करी के आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई अगले साल 1 जून से शुरू होने वाली है। न्यायाधीश एल्विन के. हेलरस्टीन ने आरोपपत्र खारिज करने की मांग वाली याचिकाओं पर मौखिक दलीलों के लिए 17 नवंबर की तारीख तय की है।

**जनवरी की शुरुआत में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने किया था गिरफ्तार :** 63 वर्षीय मादुरो और उनकी 69 वर्षीय पत्नी सिलिया फ्लोरेस को जनवरी की शुरुआत में आधी रात के दौरान कराकास स्थित उनके घर पर अमेरिकी बलों की कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया था। तब से दोनों ब्रुकलिन की एक जेल में बंद हैं। बुधवार को दाखिल अलग दस्तावेजों में फ्लोरेस के वकीलों ने भी कहा कि उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा के आधार पर अमेरिका में अभियोजन से छूट हासिल है। उनके वकीलों ने कहा, 'यह वेनेजुएला को मिली हुई संप्रभुता है और इसे केवल वेनेजुएला ही त्याग सकता है।' मादुरो के वकीलों ने कहा कि अगर राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा का अधिकार न भी मिले, तब भी उनके खिलाफ मामला खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपने आधिकारिक कृत्यों के आधार पर आचरण-आधारित संप्रभु प्रतिरक्षा भी हासिल है। मादुरो और फ्लोरेस के खिलाफ यह आपराधिक मामला पहली बार छह साल दर्ज किया गया था।

अगर जूरी इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि दोनों अमेरिका में कोकीन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। संघीय अभियोजकों को इन कानूनी दलीलों पर अपना जवाब इस महीने के अंत में दाखिल करना है। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि मादुरो ने वेनेजुएला के कानून-प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर ड्रग तस्करी के बड़े सरगनाओं की मदद की और अमेरिका में हजारों टन कोकीन भेजने की साजिश को अंजाम दिया।

# पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया- पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार; कैसे रुकेगी तबाही

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और

तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

**अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद :** रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ-साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

**मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान :** बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे। इस संकट से बचने का एकमात्र रास्ता यह है कि तापमान में पहले कुछ समय के लिए भले ही बढ़ोतरी हो जाए, लेकिन फिर हम मिलकर प्रदूषण को इस हद तक घटाएं कि तापमान अपने चरम (सबसे ऊपरी स्तर) पर पहुंचकर वापस नीचे आ जाए। इसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तत्काल और भारी कटौती के साथ-साथ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के कड़े उपायों की आवश्यकता है।

## जीडीपी में वृद्धि से भारत ने दिखाया दम: अमेरिका में निवेशकों से बोलीं सीतारमण- वैश्विक संकट के बीच मजबूती कायम

**वाशिंगटन, एजेंसी।** वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को अमेरिका में निवेशकों के साथ बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी है। उन्होंने इसे वैश्विक व्यवधानों के बीच उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। सीतारमण न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास और बैंक ऑफ अमेरिका की ओर से आयोजित उच्चस्तरीय बिजनेस राउंडटेबल में निवेशकों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

**सुधारों से निवेश का माहौल हुआ बेहतर :** वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने आर्थिक सुधारों पर लगातार जोर दिया है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसे सुधारों के जरिए नियामकीय व्यवस्था में अधिक स्पष्टता लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से अनुपालन आसान हुआ है और कागजी कार्रवाई का बोझ कम करने में मदद मिली है। सरकार ने करीब एक दशक से कारोबार को सुगम बनाने और अनुपालन प्रक्रिया को सरल करने को प्राथमिकता दी है।

**किन क्षेत्रों पर सरकार का फोकस :** सीतारमण ने निवेशकों के सामने उन क्षेत्रों का भी जिक्र किया, जिन पर सरकार लगातार ध्यान दे रही है। इनमें पूंजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण, बुनियादी ढांचे का विकास और उद्योग को लगातार समर्थन देना शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से विमानन क्षेत्र, निवेश के अनुकूल माहौल बनाने, एआई और डेटा सेंटर के विकास, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर को बढ़ावा देने तथा एमएसएमई के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों यानी एनपीए को कम करने की दिशा में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इन प्रयासों से बैंकिंग और उद्योग के लिए कारोबार, विस्तार और मजबूती का बेहतर माहौल तैयार हुआ है।

**राजकोषीय अनुशासन पर भी जोर :** वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने लगातार चुनौतियां रही हैं, लेकिन भारत ने पिछले कई वर्षों में राजकोषीय विवेक और वित्तीय अनुशासन के रास्ते को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें निवेश आकर्षित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश को सुविधाजनक बनाने को लेकर पहले की तुलना में अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धी हुई हैं। इन प्रयासों को उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जोड़कर देखा।

**विनय क्वात्रा ने भी भारत की आर्थिक ताकत को सराहा :** अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कार्यक्रम के स्वागत भाषण में भारत की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों देश भारत की तेज आर्थिक वृद्धि से लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है। इससे पहले विनय क्वात्रा ने न्यूयॉर्क स्थित नैस्डैक में भारत की ओर से ओपनिंग बेल बजाई। उन्होंने कहा कि भारत इस समय महत्वपूर्ण आर्थिक और तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

# जन्मसिद्ध नागरिकता पर ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने नया आदेश रोका; सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई कोशिश को बड़ा झटका लगा है। मैरीलैंड की संघीय जज डेबोरा एल. बोर्डमैन ने ट्रंप प्रशासन के नए कार्यकारी आदेश पर रोक लगाते हुए प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। जज ने यह रोक उस समय लगाई जब अप्रवासी परिवारों और अधिकार समूहों की ओर से दायर क्लास-एक्शन मुकदमे पर सुनवाई चल रही है। बोर्डमैन ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित श्रेणी में आने वाले बच्चे जन्म के समय अमेरिकी नागरिक हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

**क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का नियम :** मौजूदा अमेरिकी कानून के तहत अमेरिका की जमीन पर जन्म लेने वाले अधिकांश बच्चों को जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिलती है। इसके कुछ अपवाद हैं। इस व्यवस्था की कानूनी नींव 1868 में 14वें संविधान संशोधन के लागू होने के बाद पड़ी थी। ट्रंप लंबे समय से जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म करने की मांग करते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ऐसा कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से या अस्थायी स्थिति में रह रहे लोगों के बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। जून में सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रयास को खारिज कर दिया था।

**नए आदेश में किन लोगों को निशाना बनाया गया :** अगस्त में ट्रंप प्रशासन ने एक नया और सीमित दायरे वाला कार्यकारी आदेश जारी किया। इसमें कुछ खास परिस्थितियों में

जन्मे बच्चों की स्वतः नागरिकता पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। इसमें ऐसे बच्चों का जिक्र था जिनके माता-पिता का संबंध विदेशी दूतावासों या संगठनों से हो अथवा जिन्हें अमेरिका का 'विदेशी दुश्मन' माना जाए। आदेश में 'बर्थ टूरिज्म' की भी बात की गई थी। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति से है जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से गैर-आप्रवासी वीजा पर देश में प्रवेश करता है। अमेरिकी नियमों में पहले से ही ऐसी स्थिति को वीजा संबंधी कार्रवाई का आधार माना जा सकता है, यदि किसी व्यक्ति ने विशेष रूप से बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से वीजा हासिल किया हो।

**परिवारों को किस बात का डर था :** नए आदेश को चुनौती देने वाले परिवारों और संगठनों ने अदालत में कहा कि इसके कारण कई परिवारों में असमंजस और डर पैदा हुआ। कुछ परिवारों को आशंका थी कि उनके बच्चों को केवल इसलिए नागरिकता से वंचित किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अमेरिका आने के लिए हवाई टिकट खरीदा और वहां पहुंचने के बाद गर्भधारण हुआ। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यकारी शाखा किसी व्यक्ति को 'विदेशी दुश्मन' मानने के लिए व्यापक नजरिया अपना रही है और कुछ मामलों में अनुमान या गलत जानकारी पर भी निर्भर किया जा सकता है। कुछ परिवारों ने चिंता जताई कि उनके बच्चों की नागरिकता इसलिए प्रभावित हो सकती है क्योंकि उनके विस्तारित परिवार का कोई सदस्य अपने देश में किसी गिरोह से जुड़ा था, जबकि माता-पिता खुद किसी गिरोह के सदस्य नहीं थे।

**जज ने प्रशासन की दलील क्यों खारिज की :** ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने अदालत से कहा कि आदेश को रोकने की मांग अभी समय से पहले है। उनका तर्क था कि इसे लागू करने वाली संघीय एजेंसियां अभी जारी नहीं हुई आधिकारिक गाइडलाइन के आधार पर उचित तरीके से कार्रवाई करेंगी। जज बोर्डमैन ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन चाहे कुछ भी कहे, 2026 का कार्यकारी आदेश एजेंसियों को बच्चों की कई व्यापक श्रेणियों को नागरिकता संबंधी दस्तावेज देने से रोकने का निर्देश देता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पुणे में ध्वनि प्रदूषण के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता पर हमला

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में सामाजिक कार्यकर्ता विद्यानंद बापट पर गणेशोत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण को लेकर अपनी बात रखते समय हमला हो गया। मीडिया से बातचीत के दौरान युवक ने उन्हें कथित तौर पर थप्पड़ जड़ दिया, जिसका वीडियो सामने आया है और घटना चर्चा का विषय बन गई है। बापट लंबे समय से त्यौहारों में तेज आवाज में बजने वाले डीजे और लाउडस्पीकर का विरोध करते हैं। उनका तर्क है कि अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण से बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती हैं। इसी अभियान को लेकर गणेशोत्सव के दौरान उनके नजरिए पर कुछ लोगों द्वारा नाराजगी जाहिर थी। इसी बीच, अचानक एक युवक ने उन पर हमला किया। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मची, इसके बाद फौरान पुलिस ने हस्तक्षेप किया। पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता बापट को सुरक्षा देकर पुलिस वैन में वहां से निकाला, क्योंकि उन्हें मौके पर मौजूद लोगों की नाराजगी के बीच सुरक्षा का खतरा महसूस हो रहा था। इस मामले में हमला करने वाले आरोपी की पहचान संतोष चव्हाण के रूप में की गई है। घटना पर एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि विचारों से असहमति हो सकती है, लेकिन किसी भी व्यक्ति को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है और इसका जवाब तर्कों से देना चाहिए, न कि हिंसा या गुंडागर्दी करके देना चाहिए। एनसीपी शरद गुट के नेता पवार ने पुलिस प्रशासन से हमलावर के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और बापट को उचित सुरक्षा देने की मांग की।

## शिमलाटु चौपाल में भीषण हादसा, फॉर्च्यूनर खाई में गिरी, एक छात्रा की मौत, सात घायल

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल में एक भीषण सड़क हादसे में 11 वर्षीय एक स्कूली छात्रा की मौत हुई, जबकि सात अन्य छात्र घायल हो गए। चौपाल तहसील के पास झड़ी गांव के पास दुर्घटना तब हुई जब एक फॉर्च्यूनर एसयूवी, जिसमें सरकारी स्कूल के आठ छात्र सवार थे, 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान शांथा गांव निवासी 11 वर्षीय साक्षी के रूप में हुई है। हादसा शाम करीब 5:30 बजे हुआ, जब वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी फिसलकर गहरी खाई में समा गई। ये सभी बच्चे राजकीय स्कूल देवत में पढ़ते थे और स्कूल से अपने घर लौट रहे थे। घायलों में स्नेहा, अंकित, अंशुल, हेमंत, वंश, हार्दिक और रियांश शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश शांथा गांव के ही बताए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्रशासन की ओर से एसडीएम चौपाल हेमचंद वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर मृत छात्रा के परिवार को 20 हजार रुपये और प्रत्येक घायल छात्र को 5 हजार रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। शिमला के एसपी गौरव सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की गहन जांच जारी है।

## जेएनटीयू हैदराबाद में छात्र गुटों की झड़प, कई घायल

हैदराबाद (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (जेएनटीयू) में देर रात दो छात्र गुटों के बीच हुई गंभीर झड़प में कई छात्र घायल हुए। यह विवाद कैंपस में चल रहे तीज उत्सव के दौरान एक छात्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद शुरू हुआ। मंजिरा और गौतमी हॉस्टल के छात्रों के बीच हुए संघर्ष में दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर लाठियां भी चलाईं। घायल छात्रों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है ताकि झड़प की असली वजह और इसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके। इस घटना के विरोध में कुछ छात्रों ने जेएनटीयू के मुख्य द्वार के सामने सड़क पर धरना भी दिया, इस पुलिस ने हस्तक्षेप कर शांत कराया।

## राजस्थान पुलिस का मिशन दुबई सफल : जयपुर अपहरणकांड का मास्टरमाइंड पकड़ा

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने अपनी लंबी भुजाओं का प्रदर्शन कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। आईपीएस दिनेश एमएन के नेतृत्व में चलाए गए मिशन दुबई के तहत, जयपुर के एक व्यापारी के अपहरण के मास्टरमाइंड करण आसवानी उर्फ कमल सिंधी को दुबई से गिरफ्तार कर जयपुर लाया गया है। इस कार्रवाई ने कानून के लंबे हाथों की कहावत को फिर सच साबित कर दिखाया है। यह मामला अगस्त 2023 का है, जब राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान इलाके से व्यापारी नरेंद्र नाथ दत्ता और उनके ड्राइवर योगेश का अपहरण किया गया था। बदमाशों ने व्यापारी के मोबाइल फोन से परिजनों से फिरौती की मांग की थी, जिसके बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आगरा के पास से व्यापारी व चालक को सुरक्षित मुक्त कराया। इस दौरान हर्ष गौतम, कनक गांगुली और अजय बेनीवाल सहित तीन बदमाशों को मौके से गिरफ्तार किया था। एडीजी एमएन ने बताया कि वारदात के वक्त एक बदमाश ने खाकी वर्दी पहन रखी थी, जिससे पीड़ित को शुरुआती अहसास ही नहीं हुआ था कि उनका अपहरण हो रहा है।

# केंद्र सरकार में शामिल हो सकते हैं फडणवीस, बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने दी प्रतिक्रिया

### -कहा- देवेंद्र फडणवीस इस समय महाराष्ट्र में जहां हैं, वहीं उनकी जरूरत है

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस को लेकर पिछले कई दिनों से कयास लगाए जा रहे हैं कि वे अब केंद्र की राजनीति में आ सकते हैं। इसको लेकर ना तो फडणवीस और ना ही बीजेपी के शीर्ष लीडरशिप ने कोई आधिकारिक पुष्टि की है। इस बीच महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस के केंद्र सरकार में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि फडणवीस इस समय महाराष्ट्र में जहां हैं, वहीं उनकी जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंकजा मुंडे ने कहा कि ऐसा फैसला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या पीएम मोदी की मंजूरी के बिना नहीं हो सकता।

'फडणवीस प्रभावशाली और मजबूत नेता'

रिपोर्ट के मुताबिक पंकजा मुंडे ने फडणवीस की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली और अकादमिक रूप से मजबूत नेता हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले करीब ढाई दशक से फडणवीस के साथ काम कर रही हैं। मैं सिर्फ प्रार्थना कर सकती हूं कि वह वर्तमान पद से आगे बढ़ें। हालांकि, अभी उन्हें वहीं जरूरत है, जहां वह हैं। पंकजा का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के उस हालिया दावे के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी फडणवीस को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करना चाहते हैं।

संजय राउत ने दावा किया था कि आरएसएस देश की राजनीति में एक बड़े बदलाव का पुरजोर समर्थन कर रहा है, जिसके तहत देवेंद्र फडणवीस को दिल्ली बुलाकर उन्हें उप-प्रधानमंत्री का पद सौंपने की कोशिश की जा रही है। राउत ने दावा किया कि भगवा परिवार दिल्ली के बाहर के किसी प्रमुख नेता को पीएम मोदी के राजनीतिक उत्तराधिकारी के तौर पर स्थापित करने की तैयारी कर रहा है और इस अहम पद के लिए फडणवीस सबसे आगे चल रहे हैं।

संजय राउत के मुताबिक आरएसएस और पार्टी से जुड़ी अन्य अहम शख्सियतें फडणवीस को दिल्ली लाने की योजना बना रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा हमला करते हुए राउत ने दावा किया कि इतिहास गवाह है कि कोई भी पूर्व गृह मंत्री कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भले ही अमित शाह शीर्ष पद पाने की बड़ी महत्वाकांक्षा रखते हों, लेकिन उन्हें पार्टी के अंदर कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सत्ताधारी पार्टी के कई वरिष्ठ मंत्रियों ने कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर नेतृत्व को अल्टीमेटम दिया है।

पंकजा मुंडे ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के जारी अनशन पर कहा कि राज्य सरकार संवैधानिक दायरे में रहते हुए उनकी मांगों को पूरा करने के लिए कोशिश कर रही है। जरांगे की मांग है कि जिन मराठाओं के कुनबी रिकॉर्ड मिले हैं, उन्हें जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाएं। इसके अलावा, वह कोल्हापुर, सतारा और मुंबई गजेटियर में मौजूद प्रावधानों को लागू कर मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता देने की मांग कर रहे हैं। पंकजा ने कहा कि सरकार ने जरांगे से बातचीत के लिए राधाकृष्ण विखे पाटील की अध्यक्षता में मंत्रियों की एक समिति गठित की है। उन्होंने कहा कि सरकार संवैधानिक दायरे में रहते हुए उनकी मांगों के साथ न्याय सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है। बाद में पंकजा मुंडे ने अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इसमें पंचगंगा नदी में प्रदूषण से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

## दक्षिण में कांग्रेस की रणनीति-जगनमोहन रेड्डी की इंडिया में शामिल होने की अटकलें

### -कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने वाईआरएस को सराहा

अमरावती(एजेंसी)। वाई एस जगन मोहन रेड्डी की इंडिया गठबंधन में संभावित एंट्री को लेकर राजनीतिक गलियारों में जोरदार चर्चाएं हैं। कांग्रेस, जो दक्षिण के पांच में से तीन राज्यों में अपने दम और तमिलनाडु में सीएम थलपति विजय के साथ सत्ता में साझेदार है, अब आंध्र प्रदेश पर अपनी पकड़ मजबूत करने को लेकर गंभीर दिख रही है। हाल ही में नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.वाई एस राजशेखर रेड्डी (जगन के पिता) को एक पक्का कांग्रेसी और गरीबों का मसीहा बताकर उनकी जमकर तारीफ की है। दिल्ली के मावलंकर हॉल में आयोजित एक डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी अवार्ड समारोह के दौरान कांग्रेस नेता खरगे ने वाईएसआर की राजनीतिक यात्रा, उनके सिद्धांतों और जन-कल्याणकारी नीतियों को याद किया। इस कार्यक्रम के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि खरगे ने जगन मोहन रेड्डी को इंडिया गठबंधन में लाने का रोडमैप तैयार किया है। कांग्रेस का डॉ. वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला पर दांव पहले सफल साबित नहीं हुआ था। अब परिसीमन जैसे मुद्दों पर जगनमोहन के कांग्रेस की तरफ बढ़ने की चर्चा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी का नाम तमिलनाडु के नए राज्यपाल के तौर पर देखा जा रहा है। किरण कुमार रेड्डी, जिन्हें कांग्रेस ने सीएम बनाया था, बाद में भाजपा में चले गए थे। वर्तमान में आंध्र में एन चंद्रबाबू नायडू और अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की जोड़ी भाजपा के साथ मिलकर सत्ता में है।

## चीन का लेन-देन वाला रवैया भारत और नेपाल के लिए खतरें की घंटी

### -थरूर ने कहा,चीन वायुमंडलीय वॉर्मिंग के लिए जिम्मेदार

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने हाल ही में नेपाल में आई आपदा के संदर्भ में हिमालयी क्षेत्र की नाजुक पारिस्थितिकी पर गंभीर लेख लिखा है। उन्होंने चीन पर निशाना साधकर कहा है कि बीजिंग का भारत और नेपाल के साथ लेन-देन वाला रवैया क्षेत्र में बढ़ते जलवायु संकट को और गंभीर कर रहा है, जिसके लिए एक समर्पित त्रिपक्षीय तंत्र की जरुरत है। कांग्रेस नेता थरूर ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता रबी लामिछाने का हवाला दिया, जिन्होंने कहा था कि भारत, चीन और नेपाल एक ही एकीकृत पर्वत प्रणाली का हिस्सा हैं, और उनकी नियति आपस में जुड़ी हुई है।

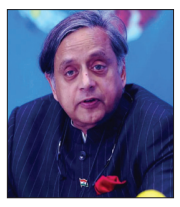

कांग्रेस सांसद थरूर ने लिखा कि यह एक कड़वी विडंबना है कि नेपाल, जिसका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन नगण्य है, उसी देश को ग्लोबल वॉर्मिंग के सबसे गंभीर और तत्काल परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। वहीं, उत्तर में उसके विशाल औद्योगिक पड़ोसी, विशेषकर चीन, हिमालय के ग्लेशियरों को पिघलाने वाली वायुमंडलीय वॉर्मिंग के बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर और उनसे जुड़ी आपदाएं अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानतीं। जब ग्लेशियर की झील फटती है या जमीन खिसकती है, तब उससे आने वाला सैलाब देशों की सीमाओं को पार करके नीचे की ओर बहता है।

# सीजेपी में बगावत, 4 महीने में ही टूटा अभिजीत दीपके का दल

### कॉकॉरच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' (सीजेपी-डी) के गठन का ऐलान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

राजनीति से दूर रहने का दावा करने वाले अभिजीत दीपके की 'कॉकॉरच जनता पार्टी' (सीजेपी) में आंतरिक कलह सामने आ गई है, और यह दल अपनी स्थापना के मात्र चार महीने बाद ही बिखरता दिख रहा है। मई में बनी यह पार्टी सितंबर आते-आते टूट के कगार पर पहुंच गई है। पार्टी के एक प्रमुख सदस्य मनीष ब्रह्मभट्ट ने न केवल दीपके का साथ छोड़ दिया है, बल्कि एक नए गुट कॉकॉरच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' (सीजेपी-डी) के गठन की घोषणा भी की है। इस घटनाक्रम ने दीपके और उनके साथियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ब्रह्मभट्ट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद को सीजेपी से अलग करते हुए अभिजीत दीपके पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक आंदोलन की सफलता के बाद जमीनी कार्यकर्ताओं और छात्रों के हितों का सौदा कर दिया गया

और संगठन एक खास राजनीतिक दल के करीब चला गया है। ब्रह्मभट्ट के अनुसार, आंदोलन की सफलता के बाद गठित की गई 12 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम के चयन में किसी भी जमीनी कार्यकर्ता, छात्र या सोशल मीडिया वॉलंटियर से सलाह नहीं ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नई टीम के 8 सदस्य एक अन्य राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जिससे यह धारणा बनी है कि पूरी टीम एक खास राजनीतिक विचारधारा के हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

ब्रह्मभट्ट ने यह भी कहा कि आंदोलन में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े युवाओं ने हिस्सा लिया था, लेकिन नई टीम में उन्हें जगह नहीं मिली, और महिला, सिख तथा मुस्लिम चेहरों को भी दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस आंदोलन की नींव मेरिट और पेपर लीक के खिलाफ पड़ी थी, उसी आंदोलन के नेतृत्व ने अब मेरिट को हाशिये पर रख दिया है। मनीष ब्रह्मभट्ट ने सीजेपी-डी को एक सच्चा लोकतांत्रिक और राष्ट्रव्यापी संगठन बनाने का वादा किया है, जिसमें हर राज्य के स्थानीय आंदोलनकारियों और वॉलंटियर्स में से पांच-पांच प्रतिनिधियों को चुना जाएगा, ताकि हर क्षेत्र की आवाज को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। दूसरी ओर, अभिजीत दीपके ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है, खासकर किसी विशेष राजनीतिक दल से सांठगांठ के आरोपों को। उन्होंने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी केवल छात्रों की 'ए टीम' है और इसका किसी अन्य दल से कोई संबंध नहीं है। दीपके ने कहा, ÷कुछ लोग हमें एक विशेष दल की बी टीम बताते हैं, जबकि कुछ अन्य हमें किसी और दल की बी टीम कहते हैं। मुझे लगता है कि इन नेताओं को एक साथ बैठकर तय कर लेना चाहिए। हमारी तरफ से बात साफ है।

# दिशा सालियान केस में सीबीआई की एंट्री, आदित्य ठाकरे पर बीजेपी का पलटवार

**मुंबई, एजेंसी।**

बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा दिशा सालियान मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में अचानक हलचल तेज हुई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने इस पूरे मामले से अपना कोई संबंध होने से इंकार कर आरोप लगाया है कि भाजपा पिछले छह सालों से उन्हें निशाना बनाने और बदनाम करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा ने तत्कालीन महाविका अघाड़ी की ठाकरे सरकार की मामले को रफा-दफा करने की कथित कोशिशों पर सवाल उठाकर पलटवार किया है। मुंबई पुलिस की रिपोर्ट के बाद अब हाईकोर्ट द्वारा मामला सीबीआई को सौंपने से महाराष्ट्र का राजनीतिक ड्रामा एक नए स्तर पर पहुंच गया है।

नासिक में मीडिया से बात कर आदित्य ठाकरे ने अपना पक्ष रखा और बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, इस मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है और मैंने इस बारे में सोचा भी नहीं है। मैं इस पर जवाब क्यों दूं? आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर हर किसी को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जैसा कि उन्होंने सालों तक राहुल गांधी को पप्पू बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बीते छह सालों से उन्हें बदनाम किया जा रहा है और उनका मानना है कि जब किसी बात से आपका कोई संबंध न हो, तब उस पर प्रतिक्रिया देना व्यर्थ है।

आदित्य के बयान पर भाजपा नेता राम कदम ने कड़ी आपत्ति जताकर पलटवार किया। बीजेपी नेता कदम ने सवाल उठाया कि अगर आदित्य का इस मामले से कोई संबंध नहीं है, तब उस समय की तत्कालीन ठाकरे सरकार पूरे केस को रफा-दफा करने के पीछे क्यों पड़ी थी? भाजपा नेता ने पूछा कि आखिर उद्धव ठाकरे सरकार किसे बचाने की कोशिश कर रही थी और निष्पक्ष जांच से क्यों बच रही थी?

वहीं, इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम और हाई कोर्ट के आदेश पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट पूरी करके अदालत में दाखिल कर दी थी, लेकिन अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीएम फडणवीस ने अदालत के इस फैसले पर इससे ज्यादा कुछ भी कहने से इंकार किया। सीबीआई जांच के आदेश के बाद से मामले को लेकर सूबे का राजनीतिक तापमान फिर गर्म हो गया है।

## नकवी ने कांग्रेस और सीजेपी को 'काल्पनिक क्रांतिकारी' बनने का प्रतियोगी बताया

### -निशु के पिता पर हमले को लेकर राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता का पलटवार

### -सीजेपी ने कहा- पुलिस ने आरोपी की 72 घंटे में गिरफ्तारी का दिलाया भरोसा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

सीजेपी कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुए हमले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने इस मामले में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर 'काल्पनिक क्रांतिकारी' बनने की प्रतियोगिता में शामिल होने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता नकवी ने कहा, कि कांग्रेस और 'कॉकरोच पार्टी' के

बीच यह प्रतियोगिता चल रही है कि कौन सबसे बड़ा 'काल्पनिक क्रांतिकारी' बन सकता है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण काम कानून का है। नकवी ने तंज कसते हुए कहा कि यदि कोई रिपोर्ट लिखवाने आता है तो संबंधित लोगों को 'रिपोर्ट के मुंशी' बनकर किसी तरह का 'कमाल-धमाल' करने के बजाय कानून को अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के बयानों से 'काल्पनिक कंफ्यूजन' पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

#### राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

इससे पहले राहुल गांधी ने निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर कथित हमले को लेकर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने निशु को समर्थन देते हुए कहा कि उसे घबराने की जरूरत नहीं है और वह उसके साथ हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि निशु को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह अपने समुदाय और छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाती हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर छात्रों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि एक अपराधी को संरक्षण क्यों दिया जा रहा है।

# मित्र, आप अकेले नहीं... देश की 10 फीसद आबादी का कट चुका नाम

### -राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा का वोटर लिस्ट से नाम हटने पर चिदंबरम का तंज

### -एसआईआर के तहत 20.66 लाख नाम हटाए गए

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम हटाए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। चड्ढा ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताते हुए पंजाब सरकार और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। इस बीच पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर चड्ढा को इंगित करते हुए चुनाव आयोग की एनसीआर प्रक्रिया पर ही तंज कस दिया है।

चिदंबरम ने अपनी पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने मित्र राघव चड्ढा को 'भारत का गैर-मतदान नागरिक' बनने पर बधाई दी है। उन्होंने आगे कहा कि चड्ढा अकेले नहीं हैं, बल्कि भारत की वयस्क आबादी के करीब 10 प्रतिशत लोगों को भी चुनाव आयोग ने गैर-मतदान नागरिक घोषित कर दिया है। चुनाव आयोग की 13 अगस्त 2026 को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राघव चड्ढा के नाम के सामने 'स्थायी रूप से स्थानांतरित' यानी 'पीएस' दर्ज किया गया है। उनका नाम पंजाब की एएसडीडी सूची में भी शामिल किया गया है। एएसडीडी में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट मतदाताओं को शामिल किया जाता है। पंजाब में एसआईआर प्रक्रिया के तहत अब तक 20.66 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए हैं। यह संख्या पुनरीक्षण से पहले राज्य के कुल मतदाताओं की करीब 9.7 प्रतिशत है।

#### चड्ढा ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

राघव चड्ढा ने मोहाली में दर्ज अपने वोटर आईडी का हवाला देते हुए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि उनके नाम को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया में राज्य के प्रशासनिक तंत्र और पुलिस का इस्तेमाल किया गया। चड्ढा ने सवाल उठाया कि उन्हें 'स्थानांतरित' के तौर पर किसने चिह्नित किया, इस श्रेणी का सत्यापन किसने किया और इसे आगे किस स्तर पर प्रोसेस किया गया।

उनके मुताबिक, इन सभी प्रक्रियाओं में पंजाब सरकार के अधिकारी शामिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी स्तर तक चुनावी प्रक्रिया में राज्य सरकार के कर्मचारी और अधिकारी जुड़े रहते हैं। चड्ढा का आरोप है कि चुनावी ड्यूटी के बाद अधिकारियों की पोस्टिंग और तबादले समेत करियर से जुड़े फैसले राज्य सरकार के नियंत्रण में रहते हैं। इसी वजह से उन्होंने राजनीतिक दबाव और

बदले की कार्रवाई की आशंका जताई है।

इस मामले ने पंजाब में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। एक ओर जहां चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण को चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने की कवायद बताया जा रहा है, वहीं विपक्षी दल और कई नेता नाम हटाए जाने की प्रक्रिया और सत्यापन के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं। इसे लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार विपक्ष के निशाने पर है।